जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 303 प्रभात बीकानेर, सोमवार 26 मई, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

एनडीए के सभी मुख्यमंत्रियों ने जातीय जनगणना का समर्थन किया

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में राजग शासित राज्यों के 20 मुख्यमंत्री, 18 उपमुख्यमंत्री शामिल हुए

- बैठक में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव में ''ऑपरेशन सिंदूर'' के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व तथा भारतीय सेना की बहादुरी की प्रशंसा की गई।
- बैठक में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे।

नयी दिल्ली, 25 मई। नैशनल डैमोक्रैटिक अलायंस (एन.डी.ए.) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की रविवार को यहां हुयी बैठक में सुशासन के मुद्दों पर चर्चा की गयी और जातीय जनगणना कराने के केन्द्र सरकार के फैसले का पूरी तरह समर्थन किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में एन.डी.ए. शासित राज्यों के सभी 20 मुख्यमंत्रियों और 18 उपमुख्यमंत्रियों के अलावा भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे।

बैठक के बाद नड्डा ने कहा,बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए। पहला प्रस्ताव 'ऑपरेशन सिंदूर' पर था, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और हमारी सेना के काम की प्रशंसा की गई तथा सेना द्वारा दिखाई गई बहादुरी की अत्यधिक सराहना की गई। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।

नड्डा ने कहा,जातीय जनगणना पर भी बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया और सभी ने इस पर अपनी सहमति दी। साथ ही, मोदी के इस फैसले की प्रशंसा की और उन्हें बधाई दी।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' संबंधी प्रस्ताव राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रस्तावित किया गया और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इसका अनुमोदन किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जातीय जनगणना प्रस्ताव रखा और इसका अनुमोदन आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने किया।

नड्डा ने कहा, बैठक में नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान पर भी चर्चा हुई और चर्चा में, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लड़ाई और इसमें मिली सफलता पर चर्चा की। उपस्थित मुख्यमंत्रियों में योगी आदित्यनाथ, नीतीश कुमार, एन चंद्रबाबू नायडू, हिमंतविश्व शर्मा, देवेन्द्र फडणवीस और मोहन यादव आदि शामिल थे। बैठक में एन.डी.ए. सरकार की पहली वर्षगांठ, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के एक दशक पूरे होने भी विचार-विमर्श किया गया।

'जिस भ्रष्टाचार की शिकायत मैंने की उसी में मुझे फंसाया जा रहा है'

नई दिल्ली, 25 मई। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में पिछले दो हफ्ते से भर्ती हैं। सीबीआई ने उनके खिलाफ किरु हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में 2200 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार के मामले में चार्जशीट दाखिल की है। अस्पताल के बिस्तर से मलिक ने एक्स पर एक भावुक पोस्ट शेयर कर केंद्र सरकार और सीबीआई पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि जिस भ्रष्टाचार की शिकायत उन्होंने खुद की थी, उसी में उन्हें फंसाया जा रहा है।

- पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने केन्द्र सरकार व सीबीआई पर गंभीर आरोप लगाये।

सत्यपाल मलिक ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा कि वह किसान पुत्र हैं और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के सिद्धांतों का पालन करते हुए अपने राजनीतिक जीवन में पूरी तरह ईमानदार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ज्योति पाकिस्तानी यूट्यूबर के साथ मिलकर काम करती थी

ज्योति मल्होत्रा के फोन से खुलासा हुआ कि वह पाकिस्तान की बेहतर इमेज बनाने के लिए काम कर रही थी

- पाकिस्तानी यूट्यूबर ज़ीशान ने अपनी वीडियो में कहा कि ज्योति हिन्दुस्तान की ही नहीं, पाकिस्तान की भी एंबेसडर है, जो पाकिस्तान, लाहौर के बारे में भारत में अच्छी जानकारी दे रही है।

नई दिल्ली, 25 मई। जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हिसार की युट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के बारे में बड़ा खुलासा हुआ है। ज्योति मल्होत्रा के मोबाइल फोन से पता चलता है कि वो पाकिस्तान के फेमस युट्यूबर ज़ीशान हुसैन के साथ लगातार संपर्क में रहती थी। ज़ीशान के साथ मिलकर ज्योति, पाकिस्तान की बेहतर इमेज बनाने का काम कर रही थी।

ज्योति मल्होत्रा ज़ीशान के साथ कई और पाकिस्तानी यूट्यूबर्स के संपर्क में रहती थी। दो महीने पहले ज्योति मल्होत्रा जब धार्मिक वीज़ा पर पाकिस्तान गई थी तो वहां उसने ज़ीशान को मैसेज किया। ज़ीशान ज्योति मल्होत्रा से मिलने कताशराज मंदिर आया था। दोनों ने अपने अपने यूट्यूब पेज पर पाकिस्तान की तारीफों के कसीदे पढ़े थे।

दोनों ने ये दिखाने की कोशिश की कि पाकिस्तान में प्राचीन मंदिर और हिन्दुओं का कितना ध्यान रखा जाता है, जबकि दुनिया जानती है कि पाकिस्तान में हिन्दुओं और हिन्दू मंदिरों का क्या हाल किया जा रहा है। ज़ीशान ने अपनी वीडियो में ज्योति मल्होत्रा के लिए कहा कि ज्योति हिंदुस्तान की ही नहीं, पाकिस्तान की भी एंबेसडर है, जो पाकिस्तान, लाहौर के बारे में भारत में अच्छी जानकारी दे रही है।

ज़ीशान लाहौर का फेमस युट्यूबर है। इस बात की जांच की जा रही है कि क्या ज़ीशान से अटारी बॉर्डर के बारे में, बॉर्डर डिप्लॉयमेंट के बारे में क्या ज्योति ने कोई जानकारी शेयर की थी। साथ ही जिन 2 पाकिस्तानी ऑपरेटिव्स के साथ ज्योति ने अली हसन के जरिए मुलाकात की थी क्या वहां ज़ीशान भी आया था, यह भी पता लगाया जा रहा है। शक है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालू यादव ने पुत्र तेजप्रताप को पार्टी और परिवार से बाहर निकाला

तेजप्रताप ने शनिवार को फेसबुक पर एक फोटो पोस्ट किया था कि वे 12 साल से रिलेशनशिप में हैं

- लालू यादव ने कहा कि उनके ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण व गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों व संस्कारों के अनुरूप नहीं है। मैं उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूँ।
- तेजप्रताप की शादी 2018 में पूर्व मुख्यमंत्री दारोगा राय की पोती ऐश्वर्या रॉय से हुई थी। उनके तलाक का मामला अदालत में चल रहा है।

पटना, 25 मई। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को पार्टी और परिवार से निष्कासित कर दिया है।

लालू यादव ने एक महिला के साथ तेजप्रताप यादव का फोटो और वीडियो वायरल होने के बाद रविवार को सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक पर पोस्ट करके अपने बड़े पुत्र को पार्टी और परिवार से निष्कासित किये जाने की जानकारी दी। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, ''निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना सामाजिक न्याय के लिए हमारे सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है।''

राजद प्रमुख ने आगे लिखा,''अपने निजी जीवन का भला-बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे वो स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सार्वजनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है। धन्यवाद।''

गौरतलब है कि शनिवार को तेजप्रताप यादव के फेसबुक अकाउंट से, एक लड़की के साथ तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा गया था, मैं तेजप्रताप यादव और मेरे साथ इस तस्वीर में जो दिख रही हैं उनका नाम अनुष्का यादव है। हम दोनों पिछले 12 सालों से एक दूसरे को जानते है और प्यार भी करते हैं। हमलोग पिछले 12 सालों से एक रिलेशनशिप में रह रहें हैं। मैं बहुत दिनों से आपलोगों से यह बात कहना चाहता था पर समझ नहीं आ रहा था कैसे कहूं.... इसलिए आज इस पोस्ट के माध्यम से अपने दिल की बात आप सब के बीच रख रहा हूं। आशा करता हूं आपलोग मेरी बातों को समझेंगे।

कुछ देर बाद इस पोस्ट को डिलीट कर दिया गया। पोस्ट के करीब पांच घंटे बाद तेजप्रताप ने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट कर जानकारी दी कि उनका अकाउंट हैक कर लिए गया है और ये फर्जी पोस्ट है और फोटो एडिट किया गया है। हालांकि, उनके इस दावे के बाद छह फोटो और दो वीडियो वायरल हो गए। इसमें उनकी शादी से लेकर करवा चौथ मनाने तक के दावे किए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि तेजप्रताप यादव शादीशुदा हैं। उनकी शादी मई 2018 में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री दारोगा राय की पौत्री और पूर्व मंत्री चंद्रिका राय की पुत्री ऐश्वर्या राय से हुई है। उनके तलाक का मामला अदालत में चल रहा है।

दिल्ली, यूपी-राजस्थान में आँधी-बारिश से मौसम सुधरा

नई दिल्ली, 25 मई। दिल्ली-एनसीआर सहित देशभर में मौसम का मिजाज़ एक बार फिर बदल गया है। दिल्ली से लेकर यूपी-राजस्थान तक आंधी-बारिश से मौसम सुहावना हो गया है।

केरल से शुरू हुआ मॉनसून भी गुजरात और महाराष्ट्र में एंट्री कर चुका है। मौसम विभाग ने कल के लिए वेदर फोरकास्ट जारी किया है कि कल देश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और आंधी-तूफान की संभावना है, जबकि अन्य क्षेत्रों में गर्मी और लू का प्रकोप जारी रहेगा। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के

- पश्चिमी राजस्थान में सोमवार को गंभीर लू की स्थिति बनी रहने की संभावना।

प्रभाव से दक्षिणी और पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी।

पश्चिमी राजस्थान में कल लू से लेकर गंभीर लू की स्थिति बनी रहेगी। अधिकतम तापमान 42-45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। धूल भरी आंधी (40-50 किमी प्रति घंटे) की संभावना है।

पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। जयपुर में अधिकतम तापमान 43 डिग्री और न्यूनतम 29 डिग्री रह सकता है।

भंडारण निगम : 150 करोड़ रूपए के घोटाले में वरिष्ठ अधिकारियों की संदिग्ध भूमिका

एसीबी महानिदेशक को लिखे पत्र में तत्कालीन कार्यकारी निदेशक, संयुक्त निदेशक व प्रबंध निदेशकों की भूमिका की जाँच की माँग

- कार्यकारी निदेशक विश्वास पारीक व संयुक्त निदेशक योगेश कुमार वर्मा के प्रस्ताव पर तत्कालीन प्रबंध निदेशकों ने दो आर्बिट्रेशन केसों की सीमा का उल्लंघन कर करणी सिंह राठौड़ को आर्बिट्रेटर नियुक्त करवाया। उनके तीन प्रकरणों में भंडारण निगम के विरूद्ध दिये आदेशों की अपील वाणिज्यिक न्यायालय में विचाराधीन है।
- भंडारण निगम में 16 मई 2023 से 10 जनवरी 2024 तक अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं की गई, ताकि निगम संचालक मंडल और अध्यक्ष के द्वारा आर्बिट्रेटर नियुक्ति में कोई प्रभावी प्रशासनिक निर्णय नहीं हो सके।

- कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 25 मई। राजस्थान राज्य भंडारण निगम द्वारा पूववर्ती अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल में मैसर्स शुभम लॉजिस्टिक और आरिगो कॉमोडिटीज के साथ गोदामों को किराये पर देने के अनुबंध और उसकी आड में हुए तथाकथित 150 करोड़ रूपये के घोटाले के मामले में अब नया मोड आया है।

राज्य भंडारण निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने 9 मई 2025 को ए.सी.बी. महानिदेशक को पत्र लिखकर निगम के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक विश्वास पारीक और संयुक्त निदेशक योगेश कुमार वर्मा और तत्कालीन प्रबंध निदेशकों की भूमिका की भी जांच करने की मांग उठाई है।

निगम की ओर से पत्र में लिखा है कि, इन दोनों वरिष्ठ अफसरों के प्रस्ताव पर तत्कालीन प्रबंध निदेशकों ने गैरकानूनी रूप से 2 आर्बिटेशन केसों की सीमा का उल्लंघन करते हुए करणी सिंह राठौड़ को आर्बिटेटर नियुक्त करवाया।

बाद में करणी सिंह राठौड़ ने आर्बिट्रेशन संख्या पी.एम. सी. 1/2020, पी.एम. सी. 2/2020 और पी.एम.सी.3/2020 में भंडारण निगम के विरूद्ध ही आदेश पारित किए, जिसकी अपील वाणिज्यिक न्यायालय में विचाराधीन है।

ऐसी परिस्थिति में इस बिन्दु को अनुसंधान में शामिल किया जाना आवश्यक है कि, तत्कालीन कार्यकारी निदेशक विश्वास पारीक और तत्कालीन संयुक्त निदेशक योगेश कुमार वर्मा के प्रस्ताव पर ही तत्कालीन प्रबंध निदेशकों ने इस प्रकार से आर्बिट्रेटर को नियुक्त करने का निर्णय लिया, जिसका उद्देश्य भंडारण निगम को और अधिक वित्तीय हानि पहुंचाने का था।

संदीप वर्मा ने अपने पत्र में एसीबी महानिदेशक को लिखा कि, कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने भी 16 मई 2024 को इस संबंध में एक शिकायती पत्र लिखा था, जिसमें तत्कालीन मुख्यमंत्री के नाम का भी उल्लेख है। इस क्रम में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा प्राथमिक जांच संख्या 36/2024 भी 16 मई 2024 को दर्ज की हुई है। इसके अलावा एक तथ्य यह भी है कि, 16 मई 2023 से 10 जनवरी 2024 तक राज्य भंडारण निगम में अध्यक्ष की नियुक्ति भी नहीं की गई थी, ताकि निगम संचालक मंडल और अध्यक्ष के द्वारा आर्बिट्रेटर नियुक्ति में कोई भी प्रभावी प्रशासनिक निर्णय नहीं हो सके।

सेना का अपमान करने वाले भाजपा नेताओं पर मोदी खामोश हैं : खड़गे

नयी दिल्ली, 25 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और मंत्री पहलगाम मुद्दे पर सेना और शहीदों का अपमान कर रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय खामोश हैं।

- कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश खेड़ा व मंत्री विजय शाह के बयानों पर कार्यवाही की माँग की।

खड़गे ने कहा भाजपा के नेताओं में पहलगाम के पीड़ितों और बहादुर सेना पर लांछन लगाने की होड़ चल रही है। भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के शर्मनाक बयान से एक बार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमृतसर में अकाली नेता की दिन दहाड़े हत्या

अमृतसर, 25 मई। पंजाब के अमृतसर के जंडियाला गुरु में दो नंबर वार्ड से अकाली दल के पार्षद की दिन दिहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। अमृतसर के छेहरटा साहिब में गोली चली है। मोटरसाइकिल में सवार हो कर आए दो हमलावरों ने अकाली दल के पार्षद हरजिंदर सिंह ब्राह्मण पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई हैं।

- मोटर साइकिल पर सवार हमलावरों ने पार्षद हरजिन्दर सिंह पर ताबड़तोड़ गोलियाँ चलाईं।

अकाली दल के पार्षद हरजिंदर सिंह ब्राह्मण को तीन से चार गोलियां लगी हैं। अस्पताल पहुंचे पार्षद को डॉक्टरों ने मृतक घोषित कर दिया।मिली जानकारी के अनुसार, दोनों हमलावर मोटरसाइकिल में सवार होकर आए थे। एक ने मोटरसाइकिल को स्टार्ट रखा, दूसरे ने पार्षद पर गोलियां बरसा दीं। पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस की टीम अब इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। साथ ही स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

'सिंधु जल समझौते को सस्पैंड करना, प्रधानमंत्री का साहसिक निर्णय'

एनडीए मुख्यमंत्री परिषद बैठक में भजनलाल ने कहा, समझौते के स्थगन से पाकिस्तान को कड़ा संदेश गया

- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर शुरु किया गया ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान, राजस्थान में जन आंदोलन बन गया है। वर्ष 2024-25 में 7.35 करोड़ पौधे लगाये गये थे। इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

नई दिल्ली/जयपुर, 25 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सिंधु जल समझौते को सस्पेंड करना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बड़ा साहसिक निर्णय है। उन्होंने कहा कि इस समझौते के स्थगन से पाकिस्तान को कड़ा संदेश गया है तथा इससे सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों को पहले की अपेक्षा अधिक पानी भी उपलब्ध हो सकेगा। मुख्यमंत्री रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित एनडीए मुख्यमंत्री परिषद को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान को जिस तरह का संदेश दिया है उससे हमें विश्वास है कि भविष्य में पाकिस्तान इस प्रकार का कोई दुस्साहस करने से पहले दस बार सोचेगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रधानमंत्री स्वयं लगातार मॉनिटरिंग करते हुए अपडेट लेते रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री की बीकानेर की पहली विशाल जनसभा से प्रदेशवासियों में भी अभूतपूर्व उत्साह और जोश का संचार हुआ है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन मुख्यमंत्री परिषद की इस बैठक में ऑपरेशन सिंदूर की उल्लेखनीय सफलता के लिए भारत के बहादुर सशस्त्र बलों को तहेदिल से बधाई देते हुए अटूट साहस और समर्पण की प्रशंसा की गई। परिषद ने अपने प्रस्ताव में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सैनिकों के वन रैंक-वन पेंशन लागू की गई। जिससे कई पूर्व सैनिकों के जीवन में बदलाव आया है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर शुरू किया गया एक पेड़ माँ के नाम अभियान राज्य में जन आंदोलन बन चुका है। इस अभियान के तहत वर्ष 2024-25 में राज्य में 7.35 करोड़ से अधिक पौधे लगाये गये है तथा हर पेड़ की जिओ टेगिंग भी की गई है। इसी तरह इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई एन.डी.ए. मुख्यमंत्री परिषद में भाग लिया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री की बीकानेर की पहली विशाल जनसभा से प्रदेशवासियों में भी जोश का संचार हुआ है।

हिमाचल में बादल फटा, 15 गाड़ियाँ बहीं

नई दिल्ली, 25 मई। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के जगातखाना क्षेत्र में शनिवार देर रात बादल फटने की घटना से भारी तबाही मच गई। तेज बारिश के चलते नाले में अचानक आई बाढ़ में करीब 15 वाहन बहकर सतलुज नदी में समा गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि तेज़ बहाव में गाड़ियां ऐसे बहती नज़र आईं जैसे ताश के पत्ते हों। इलाके में अफरातफरी और भय का

- रामपुर के ऊपरी क्षेत्रों में ओलावृष्टि से सेब की फसल को नुकसान।

माहौल बन गया।

अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी ज्योति राणा ने पुष्टि की कि बादल फटने की घटना से जन-धन की हानि की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने स्थिति पर नजर रखी हुई है। उन्होंने बताया कि रामपुर में तेज बारिश के कारण तीन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

डिजिटल डिवाइड: भारत के संदर्भ में

कभी यह कहा जाता था कि पूरी दुनिया के लोगों को दो समूहों में बांटा जा सकता है – हैव्स और हैवनॉट्स। अर्थात वे जिनके पास सब कुछ या काफी कुछ है और जिनके पास कुछ भी नहीं है। यह भी कहा जा सकता है कि एक समूह अमीरों का है और दूसरा ग़रीबों का। दुनिया में अमीरी और ग़रीबी अब भी बरक़रार है। हमारा देश भी इस स्थिति का अपवाद नहीं है। लोग यह भी कहते हैं कि इधर अमीर और अमीर हुए हैं तथा ग़रीब और ग़रीब। कुछ की संपदा बहुत तेज़ गति से बढ़ी है तथा कुछ दो वक़्त की रोटी के भी मोहताज़ हो गए हैं। इस स्थिति का दोष पूंजीवाद को दिया जाता है। इस पूरी चर्चा का सन्दर्भ अर्थ अर्थात धन है। लेकिन इधर धन के अलावा एक और संदर्भ में दुनिया को दो हिस्सों में बांटकर देखा जाने लगा है और जो रेखा दुनिया को दो हिस्सों में बांटती है उसे डिजिटल डिवाइड कहा जाता है। हिंदी में इसे डिजिटल विभाजन कहा जा सकता है, लेकिन बात पूरी तरह बनती नहीं है इसलिए हम अपनी चर्चा में डिजिटल डिवाइड अभिव्यक्ति का ही प्रयोग करेंगे।

ऐसा कहा और माना जाता है कि सूचना प्रौद्योगिकी का विकास आधुनिक युग की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सूचना प्रौद्योगिकी एक व्यापक अभिव्यक्ति है जिसमें कंप्यूटर, नेटवर्किंग, सॉफ्ट्वेयर, डेटा प्रबंधन और इंटरनेट जैसी तकनीकों और सामग्री का उपयोग सूचना के निर्माण, उसके संठाहण, प्रसारण और प्रसंस्करण के लिए किया जाता है। दुनिया में कंप्यूटर प्रौद्योगिकी की शुरुआत 1940 के दशक में हुई, लेकिन तब के कंप्यूटर बहुत बड़े वैक्यूम ट्यूब आधारित और महंगे थे तथा उनका प्रयोग भी वैज्ञानिक और सैनिक गणनाओं तक सीमित था। यह दौर 1960 तक चला। 1960 से 1980 का कालखंडमेनफ्रेम और मिनी कंप्यूटर युग के नाम से जाना जाता है और इस कालखंड में ट्रांज़िस्टर और एकीकृत सर्किट ने कंप्यूटर को छोटा, तेज़ और किफायती बना दिया। बड़े कामों के लिए मेनफ्रेमकंप्यूटर और छोटे व निजी कामों के लिए मिनी कंप्यूटर चलन में आए। सॉफ्टवेयर का विकास होने लगा, प्रोग्रामिंग भाषाएं विकसित होने लगीं और नेटवर्किंग की शुरुआत हुई। इसके बाद के अर्थात 80 से 90 के दस साल पर्सनल कंप्यूटर युग के नाम से जाने जाते हैं। इसी कालखंड में सॉफ्टवेयर क्रांति हुई और 1980 से इंटरनेट का उपयोग भी बढ़ने लगा। इसके बाद के अर्थात 1990 से 2000 के बीच के दस साल इंटरनेट और डिजिटल युग कहे जाते हैं। 1991 में टिमबर्नर्स ली ने की शुरुआत करके इंटरनेटको आम जन के लिए सुलभ बना दिया। ई-कॉमर्स और डिजिटल सेवाएं लोकप्रिय हुईं, गूगल जैसे प्लेटफॉर्म उभरे। डेटा साझाकरण आम हुआ। नयी शताब्दी के शुरुआती दस बरस (2000-2010) मोबाइल और क्लाउड युग कहे जाते हैं। इस कालखंड में स्मार्टफोन क्रांति हुई, एपल और एंड्रॉयड ने जैसे हमारी ज़िंदगी ही बदल दी। सोशल मीडिया और ब्रॉडबैंड भी इसी दौर में हमारे जीवन में आए। और इसके बाद का समय (2010-अब तक) कृत्रिम बुद्धिमत्ता का समय है। 5 जी, उन्नत नेटवर्किंग, इंटरनेटऑफ थिंग्स, स्मार्ट डिवाइस ये सब हमारे जीवन में शामिल हो चुके हैं। सारी दुनिया में यह सब हो रहा था तो भारत भी इससे प्रभावित हो रहा था। 1990 के दशक में हमारे सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग ने सॉफ्ट्वेयर निर्माण और बीपीओ सेवाओं में अपनी जगह बनाई, 2000 तक आते-आते इंटरनेट और मोबाइल फ़ोन का अधिक उपयोग होने लगा और 2010 के बाद जिओ की क्रांति, स्टार्टअप ईकोसिस्टम, डिजिटल इण्डिया की पहल वगैरह ने भारत को भी अन्य उन्नत देशों के समकक्ष खड़ा कर दिया।

ऐसा अनुमान किया जाता है कि इस साल अर्थात 2025 तक आते-आते भारत में इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या लगभग 90 करोड़ है। बेशक यह संख्या बहुत बड़ी और गर्वित करने वाली है। लेकिन इसी के साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि ये 90 करोड़ लोग अधिकांशत: शहरी क्षेत्रों के निवासी हैं। ग्रामीण भारत की केवल 35-40 प्रतिशत आबादी के पास विश्वसनीय इंटरनेट पहुंच पा रहा है। यह कहने की ज़रूरत नहीं है कि हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घण्टे बिजली की आपूर्ति अभी भी एक सपना है और 4जी 5जी की उपलब्धता सीमित है। ब्रॉडबैंड भी बहुत कम सुलभ है। उदयपुर से मात्र 25-30 किलोमीटर दूर रहने वाले अपने एक सहपाठी से मोबाइल पर ही ठीक से मेरी बात नहीं हो पाती है और जब मैं उससे कहता हूं कि तुम सोशल मीडिया वगैरह का इस्तेमाल क्यों नहीं करते, तो उसका जवाब होता है – इंटरनेट हो तो इनका इस्तेमाल करूं। तो इस तरह मैं पाता हूं कि जहां तक सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल सुविधाओं का सवाल है, भारत स्पष्टत: दो हिस्सों में बंटा हुआ है : एक वह जिसके पास है, और दूसरा वह जिसके पास नहीं है। अब यह जो नहीं वाला समूह है, इसकी बहुत सारी दिक्कतें हैं। इनके आर्थिक साधन सीमित हैं इसलिए इनके लिए स्मार्ट फ़ोन और किसी भी तरह का कंप्यूटर खरीदना सहज नहीं है। बहुत बार तो होता यह है कि पूरे परिवार के पास एक ही स्मार्ट फ़ोन होता है (अगर होता है) और इधर कोविड के बाद से उसकी उपादेयता पढ़ने वाले बच्चों के लिए बढ़ गई है तो परिवार के शेष लोगों को उसकी सुविधाओं से वंचित ही रहना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में और वहां भी वंचित वर्ग के लोगों और महिलाओं तक शिक्षा का उजाला पूरी तरह नहीं पहुंच पाया है। महिलाओं और बुज़ुर्गों में अन्यों की अपेक्षा डिजिटल साक्षरता कम है और कुल मिलाकर ग्रामीण जन विभिन्न ऑनलाइन प्लेट्फॉर्म्स, एप्स और इससे आगे सायबर सुरक्षा के बारे में बहुत कम जानकारी रखते हैं। हमारे समाज के बहुसंख्यक अंश के लिए डिजिटल साक्षरता के प्रसार में एक बड़ी बाधा भाषा की भी है। क्योंकि अधिकांश डिजिटल सामठी अंग्रेज़ी में है, यह समूह उसका लाभ नहीं ले पाता है। इधर बेशक हिंदी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में ये सुविधाएं सुलभ होने लगी हैं, इस बात को भी स्वीकार करने में झिझक नहीं होनी चाहिए कि इन माध्यमों पर अंग्रेज़ी की तुलना में हिंदी का प्रयोग थोड़ा कठिन है।

इस बात को समझा जाना आवश्यक है कि यह डिजिटल डिवाइड भारत की सर्वतोमुखी प्रगति में बड़ी बाधा है। इसके कारण शिक्षा, रोज़गार और आर्थिक एवं सामाजिक समानता प्रतिकूलतः प्रभावित हो रहे हैं। यही आशा की जा सकती है कि हमारी सरकार और निजी क्षेत्र एक-दूसरे के साथ सहयोग करते हुए इस स्थिति को बदलने का प्रयास करेंगे।

भारत की जनसंख्या का यह जो बड़ा हिस्सा डिजिटल सुविधाओं से वंचित है, इसकी ज़िंदगी अनेक प्रकार से प्रतिकूलत: प्रभावित हो रही है। जो युवा हैं उनकी नौकरी के अवसर सीमित हो रहे हैं। यह कोई अलग से कहने की बात नहीं है कि वर्तमान समय में जो डिजिटल निरक्षर हैं उनके लिए नौकरी के अवसर लगभग नगण्य हैं। अगर कोई नौकरी का आकांक्षी नहीं है तो भी वह डिजिटल बैंकिंग जैसी सेवाओं का लाभ नहीं ले पा रहा है। किसी को अगर सामाजिक रूप से सक्रिय रहना है तो वह विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की सुविधाओं का लाभ नहीं ले पा रहा है और इस तरह समाज से अलग-थलग पड़ रहा है। अगर इस समूह का एक छोटा-सा हिस्सा किसी तरह डिजिटल सुविधाओं का लाभ ले भी रहा है तो वह डेटा चोरी और ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो कर जितना पा सक रहा है उससे ज्यादा खो रहा है।

इस निराश करने वाले परिदृश्य में यह जानना थोड़ी राहत देता है कि भारत सरकार और निजी क्षेत्र दोनों ही इस स्थिति को बदलने के लिए प्रयत्नरत हैं। भारत सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल जुड़ाव बढ़ाने के लिए डिजिटल इंडिया योजना चला रखी है, ग्रामीण जन को डिजिटल साक्षरता देने के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान चलाया जा रहा है, नई शिक्षा योजना, 2020 के अंतर्गत क्षेत्रीय भाषाओं में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के अनेक प्रयास हो रहे हैं। इसी तरह विभिन्न टेलीकॉम सेवा प्रदाता सस्ते डेटा प्लान देकर और 4 जी-5 जी नेट्वर्क का विस्तार कर स्थिति को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे है। अनेक ग़ैर सरकारी संगठन व समाज सेवी संस्थाएं भी अपने-अपने स्तर पर अनेक कार्य करके स्थिति को बेहतर बनाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर अधिक ध्यान देगी, वहां बिजली की आपूर्ति की स्थित सुधारेगी और ब्रॉडबैंड नेटवर्क का विस्तार करेगी। इसी के साथ विद्यालयों में डिजिटल साक्षरता पर अधिक बल दिया जाएगा और निजी क्षेत्र को प्रेरित किया जाएगा कि वह कम कीमत वाले स्मार्ट फोन और लैपटॉप बाज़ार में लाए और वित्तीय संस्थाएं इनकी खरीद के लिए आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराए।

इस बात को समझा जाना आवश्यक है कि यह डिजिटल डिवाइड भारत की सर्वतोमुखी प्रगति में बड़ी बाधा है। इसके कारण शिक्षा, रोज़गार और आर्थिक एवं सामाजिक समानता प्रतिकूलत: प्रभावित हो रहे हैं। यही आशा की जा सकती है कि हमारी सरकार और निजी क्षेत्र एक-दूसरे के साथ सहयोग करते हुए इस स्थिति को बदलने का प्रयास करेंगे।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

फड़ चित्रकला: राजस्थान की चलायमान कथा और सांस्कृतिक आत्मा

अविनाश जोशी

भारत की सांस्कृतिक विविधता विश्व में अद्वितीय है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी विशिष्ट लोक परंपराएँ, कलाएं और लोककथाएँ हैं, जो न केवल वहां के समाज को परिभाषित करती हैं, बल्कि पूरे राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान को भी समृद्ध करती हैं। जब हम राजस्थान की बात करते हैं, तो एक रंगीन, राजसी और जीवंत लोकसंस्कृति का दृश्य आँखों के सामने उभर आता है। इसी सांस्कृतिक परंपरा की एक विलक्षण धरोहर है फड़ चित्रकला, जो चित्रकला, कथा, संगीत और श्रद्धा का ऐसा संगम है, जैसा विश्व की बहुत कम कलाओं में देखने को मिलता है।

'फड़' शब्द का शाब्दिक अर्थ है – कपड़े का एक लंबा टुकड़ा। परंतु फड़ केवल एक चित्रित वस्त्र भर नहीं है, यह अपने आप में एक चलता-फिरता मंदिर है, जो जन-जन तक लोकदेवताओं की कथा, मर्यादा और संदेश को पहुँचाता है। इस फड़ को लोक कलाकार 'भोपा' और 'भोपियाँ' गांव-गांव लेकर घूमते हैं और दीपों की रोशनी में संगीत, गायन और नाटकीय शैली में कथा वाचन करते हैं। यह परंपरा केवल एक प्रस्तुति नहीं, बल्कि एक धार्मिक अनुष्ठान का रूप ले लेती है, जिसमें श्रोता सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि सहभागी बन जाते हैं।

ऐसा माना जाता है कि फड़ चित्रकला की परंपरा लगभग सात सौ से एक हजार वर्षों पुरानी है। प्रारंभ में इसका उपयोग भील समुदाय के पुजारी-गायक किया करते थे, जो लोकदेवताओं की गाथाएं लोगों को सुनाते थे। धीरे-धीरे यह परंपरा शाहपुरा और भीलवाड़ा क्षेत्र में विकसित हुई और चित्रकला के रूप में प्रतिष्ठित हुई। प्रारंभिक फड़ों में पाबूजी की कथा सबसे प्रमुख रही, जिन्हें पशुपालकों और ठाामीणों का रक्षक देवता माना जाता है। इसके अतिरिक्त देवनारायण, तेजाजी, गोगाजी जैसे अन्य लोकदेवताओं की गाथाएँ भी फड़ों का विषय बनीं।

फड़ चित्रकला एक आयताकार कपड़े पर बनाई जाती है, जिसकी लंबाई कई फीट तक हो सकती है। इसकी विशेषता यह है कि चित्र सपाट होते हैं, उनमें कोई परिप्रेक्ष्य या गहराई नहीं होती। मुख्य देवता को केंद्र में चित्रित किया जाता है, और उनके चारों ओर अनुक्रमित रूप में कथा के दृश्य, पात्र और घटनाएँ दर्शाई जाती हैं। परंपरागत रूप से प्राकृतिक रंगों का प्रयोग होता था, जो पौधों, पत्थरों और खनिजों से तैयार किए जाते थे। आजकल हालांकि रासायनिक रंगों का उपयोग भी होने लगा है। रंगों का चयन भी प्रतीकात्मक होता है – लाल ऊर्जा का, पीला पवित्रता का, हरा जीवन का और काला शक्ति का प्रतीक माना जाता है।

फड़ का निर्माण एक धार्मिक प्रक्रिया मानी जाती है। चित्र बनाने से पूर्व कलाकार उसकी पूजा करता है और चित्र पूर्ण होने के बाद प्राण-प्रतिष्ठा जैसा अनुष्ठान किया जाता है। भोपा इस फड़ को केवल विशेष धार्मिक अवसरों पर ही खोलता है, जिससे इसकी पवित्रता और महत्ता स्पष्ट होती है। फड़ केवल देखने की वस्तु नहीं है, बल्कि वह जीवंत होती है, एक कथा का माध्यम होती है, और कलाकार उसमें अपनी आत्मा उंडेलता है।

फड़ चित्रकला की परंपरा को जीवित रखने में दो समुदायों की विशेष भूमिका रही है शाहपुरा के छीपा समाज, जो इन चित्रों को बनाते हैं, और भोपा-भोपियाँ, जो इन्हें प्रस्तुत करते हैं। छीपा समाज को इस कला का मूल संवाहक माना जाता है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी अपने परिवारों को यह कला सिखाता आया है। वहीं भोपा अपने रावणहत्था वाद्ययंत्र के साथ जब कथा गाता है, तो वह केवल गायन नहीं, अपितु अध्यात्म का अनुभव हो जाता है।

समय के साथ फड़ चित्रकला में विषयों का विस्तार हुआ है। यह केवल धार्मिक गाथाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि आज इसने पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, महामारी जैसे समकालीन विषयों को भी अपनी अभिव्यक्ति में शामिल कर लिया है। अब यह चित्रकला कैनवस, दीवारों, परिधानों और सजावटी वस्तुओं तक पहुँच चुकी है। जयपुर, शाहपुरा और भीलवाड़ा जैसे क्षेत्रों में अब फड़ चित्रों का व्यावसायिक उत्पादन और प्रशिक्षण शुरू हो चुका है।

फड़ कलाकार आज अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भी भाग लेने लगे हैं। डिजिटल प्लेटफार्मों, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्रदर्शनियों के माध्यम से यह कला वैश्विक दर्शकों तक पहुँच रही है। कुछ कलाकारों ने पारंपरिक विषयों को समकालीन संवेदनाओं के साथ जोड़ने का सफल प्रयास किया है, जिससे यह परंपरा न केवल जीवित है, बल्कि वर्तमान से संवाद कर रही है।

हालाँकि चुनौतियाँ अभी भी कम नहीं हैं। आज की युवा पीढ़ी में इस कला के प्रति रुचि में कमी देखी जा रही है। कलाकारों को उनके परिश्रम के अनुसार पारिश्रमिक और सम्मान नहीं मिल पाता। आधुनिक मनोरंजन के साधनों ने लोककलाओं को हाशिये पर डाल दिया है। यदि समय रहते संरक्षण और प्रचार के गंभीर प्रयास न किए गए, तो आने वाली पीढ़ियाँ इस अद्भुत कला से अनभिज्ञ रह जाएंगी।

फड़ चित्रकला को संरक्षित और पुनर्जीवित करने के प्रयासों में कुछ संस्थाएँ विशेष भूमिका निभा रही हैं। स्व. श्री लाल जोशी द्वारा स्थापित 'जोशी कला कुंज' ने इस कला को प्रशिक्षण और नवाचार के माध्यम से जीवित रखा है। उदयपुर स्थित भारतीय लोक कला मंडल ने फड़ चित्रों का संठाहण और प्रदर्शन कर पर्यटकों और शोधकर्ताओं को इस कला से परिचित कराया है। भारत सरकार और राजस्थान सरकार समय-समय पर फड़ कला पर आधारित डाक टिकट और विशेष आवरण जारी कर इसके महत्व को रेखांकित करती रही हैं।

आज आवश्यकता है कि इस कला को केवल संठाहालयों और प्रदर्शनी हॉलों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे जनजीवन से जोड़ा जाए। यदि फड़ चित्रकला को शिक्षा, पर्यटन, डिजिटल मीडिया और सार्वजनिक कला परियोजनाओं से जोड़ा जाए, तो यह एक जीवंत परंपरा बन सकती है, जो न केवल अतीत से जुड़ी है, बल्कि वर्तमान और भविष्य से भी संवाद करती है।

फड़ चित्रकला राजस्थान की सांस्कृतिक आत्मा की अद्वितीय अभिव्यक्ति है। यह केवल चित्रांकन की शैली नहीं, बल्कि कथा, संगीत और आस्था का समवेत रूप है। इसे जीवित रखना केवल कलाकारों या सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी का सांस्कृतिक कर्तव्य है। यदि इसे उचित संरक्षण, प्रचार और सम्मान मिला, तो यह परंपरा आने वाले समय में न केवल जीवित रहेगी, बल्कि और भी अधिक समृद्ध और प्रभावशाली बनकर उभरेगी।

–अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

जल विहार में बिराजे प्रभु

राजसमंद । जिला मुख्यालय स्थित श्री पुष्टिमार्गीय तृतीय पीठ प्रन्यास के श्री द्वारकाधीश मंदिर में रविवार को विशेष श्रृंगार और उत्सव का आयोजन किया गया। प्रात:काल श्रृंगार दर्शन में श्री प्रभु को मस्तक पर केसरी छज्जेदार पाग, जिस पर मोती का सेहरा, केसरी बडौ पिछोडा और केसरी अंतर्वास का पटका एवं मोती के आभरण और वनमाला का श्रृंगार धराया गया। जिसके बाद राजभोग के दर्शन में राजभोग में प्रभु को फूलों का श्रृंगार अंगीकार कराया गया और प्रभु को चंदन के बंगले में विराजित किया गया।

राजभोग दर्शन में गुजराती वैष्णवों का जनसैलाब उमड पडा। वहीं शयन के दर्शन में प्रभु जल विहार करते हुए चंदन की बडी सांगामाची पर बिराजे। शाम को उत्थापन दर्शन से पहले रतन चौक में यमुनाजी की भावना कर जल भरा गया। इस जल में लकडी के खिलौने जैसे- मगरमच्छ, मछली, बतखें, हंसों का जोडा, कछुआ प्रवाहित किए गए। यमुनाजी में गुलाब के फूल, खस-खस, मोगरा और शीतल देने वाले इत्र भी पधराए गए, जिससे वातावरण सुगंधित और शांत हो गया। वहीं प्रभु को मोगरा की कलियों और फूलों का विशेष श्रृंगार अंगीकार कराया गया। शयन के जल विहार दर्शन का लाभ स्थानीय और बाहर से पधारे भक्तों ने भरपूर आनंद के साथ लिया।

"एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य" की थीम पर मनाया जायेगा योग दिवस

बून्दी । 11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य की थीम पर 21 जून को पूरे विश्व में उत्साह के साथ मनाया जायेगा। बूंदी में सभी ग्राम पंचायत मुख्यालयों,ब्लाक मुख्यालयों - जिला मुख्यालय पर 21 जून को योग

■ **योग दिवस आयोजन को लेकर क्रियान्वयन समिति की बैठक आज**

प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास कराया जायेगा। अधिकारी आयुर्वेद उपनिदेशक डॉ. मालती पारीक ने बताया कि बूंदी जिले में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आयोजन के लिए सोमवार 26 मई को दोपहर 12 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक का आयोजन होगा, जिसमें सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, योग व सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी शामिल होंगे। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आयोजन में आमजन की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने और नियमित योगाभ्यास द्वारा लोगों को स्वस्थ रखने के लिए खेल संकुल में 30 दिवसीय काउंटडाउन शिविर आयोजित किया जा रहा है। योग फोर निरोगी बूंदी स्वास्थ्य महाभियान के समन्वयक डॉ. सुनील कुशवाह ने बताया कि 20 जून तक निरंतर चलने वाले इस काउंटडाउन शिविर में योग चिकित्सकों के निर्देशन में योग प्रशिक्षकों द्वारा प्रात: 6 बजे से 8 बजे योग प्रोटोकॉल का योगाभ्यास कराया जा रहा है, जिसमें बडी संख्या में लोग लाभान्वित हो रहे हैं।इस शिविर में डॉ सुनील कुशवाह, योग - प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी डॉ विमला परमार, योग प्रशिक्षक दीपक गुर्जर, भूपेन्द्र योगी, चांदनी वरयानी, शक्ति तोषनीवाल, शिखर पंचौली, सरला कुशवाह, पूजा खत्री, प्रांशु सिंह गहलोत, मनीष गुर्जर, नीरज गुर्जर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य की थीम पर 21 जून को मनाया जायेगा। जिसकी बूंदी में तैयारियां शुरु कर दी है।

सभापति की मौजूदगी में भाजपा पदाधिकारियों ने सुनी मोदी के मन की बात

करौली । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश निर्देशानुसार करौली शहर मंडल अध्यक्ष आशुतोष तिवारी के नेतृत्व में शहर मंडल के सभी शक्ति केंद्रो पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सभी शक्ति केंद्रों पर देखा और सुना गया।

बूथ नंबर 132 के बूथ अध्यक्ष आशुतोष जैन के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 122 वे संस्करण को देखा और सुना गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि करौली नगर परिषद की सभापति डॉ. राजरानी शर्मा एवं सुशील शर्मा रहे। इस दौरान शहर मंडल महामंत्री आशीष जैन,जिला सोशल मीडिया प्रभारी बृजेश गुरु,उपाध्यक्ष विक्की गुरु, कोषाध्यक्ष कपिल जिंदल, अमिता चतुर्वेदी, सीमा नामा, नंदिनी नामा आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसी क्रम में बूथ संख्या 111 कपिल देव पाराशर के नेतृत्व में कार्यक्रम सुना।

करौली शहर मंडल अध्यक्ष आशुतोष तिवारी के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सुनी मोदी के मन की बात।

■ **बूथ संख्या 123 पर मंडल नितेश महावर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सुना**

बूथ संख्या 123 पर मंडल नितेश महावर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सुना और देखा। बूथ संख्या 153 पर मंडल उपाध्यक्ष धन सिंह चैहान के नेतृत्व में मुकेश माली, जितेंद्र सैनी आदि कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम सुना। बूथ संख्या 140 पर मुकेश कुशवाहा के नेतृत्व में कार्यक्रम को सुना।बूथ संख्या 148 मंडल महामंत्री तेजेंद्र सिंह जादौन के नेतृत्व में कार्यक्रम को सुना और देखा।

वृद्धाश्रम में छात्राओं ने श्रमदान किया

भरतपुर (निस)। सेठ हजारी लाल मंहगाया सेवा संस्थान आनन्दधाम वृद्धाश्रम मथुरा रोड भरतपुर पर प्रीतम कौर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय किला भरतपुर द्वारा आनन्द धाम वृद्धाश्रम में छात्राओं ने श्रमदान किया। यह कार्य छात्राओं ने अपने ग्रीश्मकालीन अवकाश समाज सेवा शिविर की गतिविधियों के अंतर्गत किया। यह शिविर राजस्थान सरकार द्वारा सभी सरकारी विद्यालयों में अनिवार्य रूप से चलाया जाता है जिसमें विद्यार्थियों द्वारा समाज सेवा के बारे में जानकारी दी जाती है। आश्रम में आकार छात्राओं ने आश्रम की साफ सफाई की व वृद्धजनों के साथ बैठकर वृद्धों से उनके अनुभवों से ज्ञान प्राप्त किया व वृद्धों को फल, मिठाई का वितरण किया। इस अवसर पर मंजूलता व्याख्याता, भगवती, अलीषा, अमरीक, बुलबुल, चाहत, चावला, मीनाक्षी, मुस्कान, नंदनी, करिश्मा, हर्शिता, प्रीति आदि मौजूद रही।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 26 मई, 2025

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, भरणी नक्षत्र प्रात: 8:24 तक, शोभन योग प्रात: 7:02 तक, शकुनि करण दिन 12:12 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:41 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज पितृकार्य अमावस्या, बड़ पूजन अमावस्या, शनि जयन्ती, फल हारिणी कलिका पूजन है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:20 तक, शुभ 9:01 से 10:42 तक, चर 2:05 से 3:46 तक, लाभ अमृत 3:46 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:09

मेष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात पारिवारिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। आज व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन: स्थिति में सुधार होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
अपने अति आवश्यक कार्यों को दिन के मध्यान्ह पूर्व से करने का प्रयास करें। आर्थिक मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात धन हानि का भय है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। यात्रा में दुर्घटना का भय है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह व्यावसायिक मामलों में परेशानी हो सकती है।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मकर
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है। दिन के मध्यान्ह पश्चात शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तेज अंधड़ से भारी नुकसान व बिजली के पोल गिरे, रातभर अंधेरे में रहा बीकानेर

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर में देर रात तेज अंधड़ के बाद गुल हुई बिजली रात तीन बजे सुचारू हुई तो कहीं सुबह पांच बजे तक भी लाइट शुरू नहीं हो सकी। शहर और गांव में जगह-जगह बिजली के पोल गिर गए।

कहीं विज्ञापन हॉर्डिंग्स बिजली के तारों पर आ गिरे। एक-एक फॉल्ट को चैक करने के बाद बिजली विभाग ने सप्लाई फिर से शुरू की। उधर लूणकरनसर में भारी नुकसान के बाद स्थानीय लोग प्रशासनिक अधिकारियों को फोन करते रहे लेकिन किसी ने बात नहीं की। लूणकरनसर कस्बे कई गांवों में तेज आंधी से भारी तबाही होने की सूचना मिल रही है। उपखंड प्रशासन के अधिकारी बेपरवाह नजर आए। लूणकरनसर कस्बे में आंधी से पशु चिकित्सालय से जलदाय विभाग तक बिजली की हाईटेंशन लाइन टूटकर जमीन को छू रही थी। जिसकी सूचना के लिए ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को फोन किया लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया।

उपखंड कार्यालय से जुड़े अधिकारियों को भी फोन किए गए लेकिन हालात वहां भी जस के तस मिले। आपदा नियंत्रण कक्ष का तो फोन ही खराब था। लोग फोन कर रहे थे लेकिन दूसरी तरफ कोई उठाने वाला नहीं था। सुबह होते-होते इन हाईटेंशन लाइनों के पास ही आग लग गई। घास और कचरे में लगी आग भयावह हो सकती थी। लेकिन लोगों ने अपने स्तर पर पानी डालकर इस आग को बुझाया।

बीकानेर में शनिवार रात को आये तेज अंधड के कारण जिले में कई स्थानों पर बिजली के पोल गिर गए।

- लूणकरनसर कस्बे के कई गांवों में तेज आंधी से भारी तबाही होने के समाचार हैं
- आंधी से पशु चिकित्सालय से जलदाय विभाग तक बिजली की हाईटेंशन लाइन टूटकर जमीन को छू रही थी जिससे घास-फूस में आग लग गई, ग्रामीणों ने आग बुझाई

नोखा में पेड़-बिजली के खंभे गिरे : नोखा में तूफान ने तबाही मचा दी। मौसम विभाग ने देर रात आधा दर्जन जिलों में आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया था। तूफान की शुरूआत रात साढ़े 11 बजे नोखा से हुई। मिनटों में ही चारों तरफ धूल का गुबार छा गया। अंधेरा इतना था कि कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। शहर के अधिकांश हिस्सों में यह स्थिति पूरी रात बनी रही।

नोखा में तेज आंधी से कई पेड़ जड़ से उखड़ गए। विज्ञापन होर्डिंग्स सड़कों पर गिर पड़े। बिजली के तारों पर पेड़ों की टहनियां गिरने से ट्रिपिंग हुई। हालांकि देर रात तक किसी के घायल होने की खबर नहीं मिली। पांचू और जसरासर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी तूफान का असर देखा गया। पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से गांवों में आवाजाही प्रभावित हुई। कई दुकानों और घरों के छप्पर और टीनशेड उड़ गए। दिन में तेज गर्मी के बाद रात को मौसम में बदलाव आया लेकिन बिजली न होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

वाहन की टक्कर से गार्डर गिरा : नोखा शहर में एक रेल अंडरब्रिज पर सुरक्षा गार्डर गिरने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। घटना तब हुई जब एक वाहन नेशनल हाईवे की तरफ जा रहा था। कम ऊंचाई वाले अंडरब्रिज से गुजरते समय वाहन का पिछला हिस्सा लोहे के गार्डर से टकरा गया।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि सुरक्षा के लिए लगाया गया गार्डर नीचे गिर गया। उस समय वाहन के पीछे कोई दूसरा वाहन नहीं था, जिससे कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई।

गार्डर गिरने से यातायात बाधित हो गया। प्रशासन ने वाहनों को वनवे से निकालने की व्यवस्था की। इससे लम्बे समय तक वाहनों की रफ्तार धीमी रही। रेलवे विभाग की ओर से इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई। रिपोर्ट लिखे जाने तक गार्डर की मरम्मत नहीं की गई थी।

मानव वध का प्रयास करने वालों को 3 साल की सजा

बीकानेर,(कासं)। सेशन न्यायाधीश अतुल कुमार सक्सेना ने 10 साल पहले किलचू रोड पर एक शख्स पर लाठी-सरियों से आपराधिक मानव वध का प्रयास करने वाले 8 आरोपियों को दोषी मानते हुए प्रत्येक को 3 साल का कारावास और 5000 रूपए अर्थदंड की सजा सुनाई।

अस्पताल में भर्ती परिवादी जगदीश सहारण ने 23 जुलाई, 2015 को नापासर थाना पुलिस को अपने पर्चा बयान में बताया था कि 23 जुलाई की शाम को वह गाड़ी में सवार होकर बीकानेर से गाढ़वाला जा रहा था। रात को 10.30 बजे किलचू रोड पर वीर तेजाजी धर्मकांटा पहुंचा तो सड़क पर एक पिकअप गाड़ी खड़ी थी। गाड़ी के बाहर चार-पांच लोग और खड़े थे और इतने ही अंदर थे।

आरोपी छेलूसिंह ने गाड़ी रोकने का इशारा किया। जगदीश ने गाड़ी रोकी तो छेलूसिंह और शिवदान सिंह ने शराब के लिए रूपए मांगे। मना करने पर उसका गला पकड़कर नीचे उतार लिया और आरोपियों ने लाठी-सरियों से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमलावरों ने उसकी जेब से 15000 रूपए निकाल लिए। शोर सुनकर गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी फरार हो गए। कोर्ट ने सुनवाई के बाद छैलूसिंह, शिवदान सिंह, किसनसिंह, अशोक सिंह, मूलसिंह, ओंकार सिंह, छोटूसिंह, करणीसिंह को दोषी माना।

सार-समाचार

मॉडिफाइड साइलेंसरों पर बुलडोजर

पुलिस ने मॉडिफाइड साइलेंसरों पर बुलडोजर चलाकर नष्ट किया।

बीकानेर, (कासं)। शहर में मॉडिफाइड, प्रेशर हॉर्न को लेकर यातायात पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बाइक सवारों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया है। एसपी कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन और एएसपी सौरभ तिवाड़ी के सुपरविजन में टीआई नरेश निर्वाण के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। इस अभियान के तहत बुलेट मोटरसाइकिल चालकों द्वारा साइलेंसर को मॉडिफाई कर तेज आवाज़ पैदा करने और वाहनों में प्रेशर हॉर्न लगाने के मामलों पर कठोर कदम उठाया गया। पुलिस ने अब तक कुल 140 मॉडिफाइड साइलेंसर और 50 प्रेशर हॉर्न जब्त किए हैं। पुलिस ने इन साइलेंसर्स और प्रेशर हॉर्न पर बुलडोजर चलाकर सार्वजनिक रूप से नष्ट भी किया ताकि इस तरह की हरकतों से लोगों को सख्त संदेश दिया जा सके। वर्ष 2025 में अब तक की यह सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। पुलिस की इस सख्ती से ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों में हड़कम्प मच गया है। यातायात विभाग ने साफ किया है कि आगे भी ऐसे अभियानों को लगातार जारी रखा जायेगा।

कथा में नानी बाई का मायरा भरा

बीकानेर में ब्रह्म बगीचा प्रन्यास ने कथा में भरा नानी बाई का मायरा भरा।

बीकानेर, (कासं)। ब्रह्म बगीचा स्थित मुक्तिनाथ महादेव मंदिर में चल रहे नानी बाई रो मायरो में पंडित भैरू महाराज के मुखारबिंद से तीन दिवसीय नानी बाई रो मायरो कथा के तीसरे और समापन अवसर पर नरसी मेहता मायरा लेकर नानी बाई के गांव में प्रवेश कर चुके थे। नानी बाई के ससुराल पहुंचने से पहले ठाकुरजी से आग्रह किया हम तो कुछ जानत नहीं आप जानो रघुनाथ। नानी बाई बहुत दुखी थी, बेटी ने पत्र लिखा। नरसी ने ठाकुर जी के आगे अर्जी रखी परंतु उनको जब गांव में ही रोक लिया गया। उसके बाद उन्होंने ठाकुरजी ने आज के कथा में ब्रह्म बगीचा प्रन्यास की ओर से नानी बाई को पवरी ओढ़ाकर बृजगोपाल जोशी, राजेश चूरा, हीरालाल हर्ष ने वास्तविक मायरा भरकर कथा में चार चांद लगाए। पंडित भैरू महाराज ने नानी बाई रो मायरो प्रसंग सुनाते हुए बताया कि ठाकुरजी नानी बाई के 56 करोड़ का मायरा लेकर नरसी की अरदास सुनी। आज की कथा में विशेष रूप से सुभाष जोशी, अनिल जोशी, गिरिराज जोशी, नारायण दास रंगा, शिवशंकर शर्मा, मंगलचंद रंगा, समाजशास्त्री आशा जोशी, श्यामा हर्ष सहित मौजूद थे।

शिविर में 1456 लोगों की जांच

शिविर शताक्षी सेवा संस्थान के संस्थापक महंत डॉ. करणी प्रताप महाराज के मार्गदर्शन में नेत्र चिकित्सा शिविर संपन्न हुआ।

बीकानेर, (कासं)। पुष्करणा समाज भवन में रविवार को आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 1456 व्यक्तियों की नेत्र जांच की गई। यह सेवा शिविर शताक्षी सेवा संस्थान के संस्थापक महंत डॉ. करणी प्रताप जी महाराज के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इसका उद्देश्य समाज के वंचित, बुजुर्ग, महिलाएं और छात्र वर्ग को नेत्र स्वास्थ्य की सुविधाएं सुलभ कराना रहा। इस मौके पर पुष्करणा समाज की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें नथमल पुरोहित, पुजारी बाबा, बीकानेर पश्चिम से विधायक जेठानंद व्यास, राजेश चूरा, मोटू लाल हर्ष, जेठाराम पुरोहित और भंवर पुरोहित शामिल रहे। साथ ही उपस्थित पूज्य विमर्शानंद महाराज ने इस सेवा कार्य की सराहना की। शिविर में डॉ. वीरेश, डॉ. हेमंत और डॉ. राजकुमार सेठिया द्वारा नेत्र जांच की गई। जांच के साथ-साथ जरूरतमंदों को मुफ्त दवाईयां भी वितरित की गई। आयोजकों ने बताया कि 1 जून को शिविर में चिन्हित 1128 से अधिक लाभार्थियों को निःशुल्क चश्मे प्रदान किए जायेंगे। इस सेवा अभियान का नेतृत्व कर रहे महंत डॉ. करणी प्रताप दृष्टि जहां, सृष्टि वहां संकल्प के साथ 'एक लाख दृष्टि मिशन' चला रहे हैं। जिसका लक्ष्य देशभर के एक लाख जरूरतमंदों को मुफ्त नेत्र परीक्षण और चश्में उपलब्ध कराना है।

कलेक्टर ने हीट एक्शन प्लान को लेकर आवंटित किये कार्य

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने गृह मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार वर्ष 2025 के लिए हीट एक्शन प्लान चिकित्सा विभाग के साथ-साथ अन्य विभागों से समन्वय के लिये आवंटित कार्यों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

- जीवन रक्षक औषधियां ओआरएस व आईवी फ्लूड की व्यवस्था करना, लू-तापघात से पीड़ित रोगियों के लिये अलग वार्ड में रखने की व्यवस्था करना सुनिश्चित करना है

हीट एक्शन प्लान के अनुसार आवंटित कार्यों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा लू-तापघात के बारे में आमुखीकरण करना, जिले में आयोजित किये गये खण्ड स्तर की बैठकों में एएनएम, जीएनएम एवं सीएचओ, आशाओं को अपने क्षेत्र से लू-तापघात के बारे में सेंसीटाइज करना, 108, 104 एम्बुलेंस जीवन रक्षक औषधियां ओआरएस व आईवी फ्लूड की व्यवस्था करना, आरआरटी व मोबाइल चिकित्सा बलों की व्यवस्था, लू-तापघात से पीड़ित रोगियों के लिये अलग वार्ड में रखने की व्यवस्था, चिकित्सा संस्थानों में पर्याप्त बैड आरक्षित करना, पानी की व्यवस्था, आपातकालीन किट की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। लू-तापघात वाले मरीजों व उनके अटेंडेंट हेतु शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, वार्ड में कूलर व पंखे की व्यवस्था, विभिन्न माध्यमों से आमजन को जागरूक करना, नरेगा में कार्य करने वाले लोगों का स्वास्थ्य जांच करने, उन्हें दवाईयां व ओआरएस का पैकेट दिया जाना, पीने के पानी की शुद्धता की जांच तथा अग्नि सुरक्षा हेतु एनओसी प्रमाण पत्र के संबंध में जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों, राजकीय व निजी को आदेश जारी करने का कार्य किया जायेगा।

इसी प्रकार श्रम एवं रोजगार विभाग द्वारा लू-तापघात के लिये शिविर लगाकर जानकारी देना, मजदूरों का समय निर्धारण, कार्य स्थल पर ठण्डे पानी की व्यवस्था, प्राईवेट सेक्टर के मजदूरों का भी समय निर्धारण के निर्देश देने का कार्य किया जायेगा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों के लिये शीतल पेयजल की व्यवस्था व आंगनबाड़ी का समय निर्धारण करना होगा।

पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं की सुरक्षा, दवाईयां, पशुओं के पीने का पानी व छाया की व्यवस्था, ग्रामीण स्तर के स्टाफ को सतर्क करने, पशुपालकों को जागृत करने, ग्रामीण व शहरी गौशालाओं में पशुओं के बचाव की जानकारी देना, आयुर्वेद विभाग चिकित्सा विभाग के साथ समन्वय कर लू के बचाव हेतु आयुर्वेदिक हर्बल जूस की व्यवस्था करना शामिल है।

तूड़ी से भरी ट्रॉली पलटी

हनुमानगढ़, (कासं)। जंक्शन में सदर पुलिस थाना के पास स्थित ग्रेफ चौराहे पर तूड़ी से भरी ओवरलोड ट्रॉली पलट गई। गनीमत यह रही कि ट्रॉली पास से ही गुजर रही हाई वोल्टेज तार से टच नहीं हुई। अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। सड़क किनारे ट्रॉली पलटने से यातायात भी बाधित हुआ।

हैरानी की बात यह है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली एक कृषि यंत्र है। लेकिन इसका व्यावसायिक तौर पर उपयोग किया जा रहा है जो कि नियम विरूद्ध है। परिवहन विभाग के दफ्तर के पास ही इस तरह की ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियां प्रतिदिन हादसों को न्यौता दे रही हैं। विभाग की ओर से इस गंभीर समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

ओवरलोड ट्रॉली का संचालन न केवल सड़क सुरक्षा के लिए खतरे का कारण है, बल्कि यह नियमित रूप से हादसों को जन्म दे रहा है। इसके बावजूद विभाग की तरफ से कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। यही कारण है कि लोग हादसों के शिकार हो रहे हैं और इस लापरवाही के कारण जनता परेशान है।

बी.टी.यू. का तृतीय दीक्षांत समारोह 2 जून को

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर अपना तृतीय दीक्षांत समारोह 02 जून को ई ब्लॉक ऑडिटोरियम विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया जायेगा।

बीटीयू के जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बतया कि दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ किसनराव बागडे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री व उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा एवं केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल उपस्थित रहेंगे। साथ ही विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी दीक्षान्त समारोह का व्याख्यान करेंगे।

दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए कुलगुरू प्रो. अखिल रंजन गर्ग एवं कुलसचिव रचना भाटिया के निर्देशन में 20 आयोजन समिति और उनके संयोजक नियुक्त किए गए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन लिए आयोजन समिति द्वारा विशेष तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

कुलगुरू प्रो. अखिल रंजन गर्ग ने कहा कि तृतीय दीक्षांत समारोह के दौरान बैचलर ऑफ टैक्नोलॉजी बीटेक की 3014 बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर बीआर्क की बैचलर ऑफ डिजाइन बी डिजाइन की 8 डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की पीएचडी की मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एमबीए की 735 मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन एमसीए की मास्टर ऑफ टैक्नोलॉजी एमटेक की 90 सहित कुल 4080 डिग्रियों एवं 27 स्वर्ण पदकों का राज्यपाल द्वारा विद्यार्थियों को वितरण किया जायेगा।

कुलगुरू गर्ग ने इस संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित कर तृतीय दीक्षांत समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा हैं। वहीं दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के सभी सम्बद्ध महाविद्यालय स्तर पर दीक्षांत समारोह आयोजित कर संबंधित विद्यार्थी की उपाधियों का वितरण करेंगे।

ट्रस्ट पदाधिकारियों पर गबन का मामला दर्ज

नोखा, (कासं)। नोखा थाने में श्रीमती धन्नी देवी सेठिया धार्मिक भवन ट्रस्ट के वर्तमान अध्यक्ष सुंदरलाल बोथरा ने पूर्व पदाधिकारियों के खिलाफ अमानत में खयानत का मुकदमा दर्ज कराया है।

मामले में चार पूर्व पदाधिकारी - बीकानेर के चेतनप्रकाश सेठिया, नोखा महावीर चौक के ईश्वरचंद बैद, लाहोटी चौक के दुलीचंद चोरडिया और मरोठी चौक के राजेश डागा शामिल हैं। ये सभी 12 अप्रैल 2025 तक ट्रस्ट में पदाधिकारी थे। शिकायत के अनुसार इन पदाधिकारियों ने 2010 में मुंबई की बोथरा मेटल्स एंड एलॉयज प्राइवेट लिमिटेड से प्राप्त 10 लाख रूपए में से केवल 4.40 लाख रूपए ही दान खाते में जमा किए। शेष 5.60 लाख रूपए होलायती खाते से नकद निकाल लिए गए। इसके अलावा 2020 में रेणु सिंघल एसोसिएट्स के नाम से 4 लाख रूपए और नकद दान के 2 लाख रूपए का भी गबन किया गया। ट्रस्ट की जांच में सामने आया कि अमित कुमार बैद को भी समय-समय पर निजी उपयोग के लिए राशि दी गई। 13 अप्रैल 2025 को ट्रस्ट निधि में 6.50 लाख रूपए का बैलेंस दिखाया गया लेकिन बार-बार मांग करने के बावजूद न तो यह राशि लौटाई गई और न ही इससे संबंधित कोई दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। सुंदरलाल बोथरा के अनुसार कुल मिलाकर पूर्व पदाधिकारियों ने 19.73 लाख रूपए का गबन और 17 लाख रूपए का दुरुपयोग कर ट्रस्ट को आर्थिक नुकसान पहुंचाया है।

प्लाईवुड दुकान के ताले तोड़ की चोरी

श्रीगंगानगर, (कासं)। जवाहर नगर थाना क्षेत्र स्थित लक्कड़ मंडी में चोरों ने प्लाई बोर्ड की दुकान का ताला तोड़कर 35 हजार रूपए चुरा लिए। शुक्रवार को जवाहर नगर थाना में केस दर्ज किया गया।

परिवादी राजेश कुमार निवासी न्यू जसवंत कॉलोनी ने बताया कि उसकी राजेश प्लाइवुड सेंटर के नाम से लक्कड़ मंडी में 11 नंबर दुकान है। 20 मई की रात को दुकान बंद कर घर गया था। अगले दिन सुबह लौटा तो देखा कि दुकान के ताले टूटे हुए थे। गल्ले में रखे 35 हजार रूपए भी गायब मिले। राजेश कुमार ने चोरी की घटना को लेकर थाना में परिवाद दिया। पुलिस ने शुक्रवार को संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू की है।

पानी की कमी के कारण बीच में बंद करनी पड़ी नहरें

श्रीगंगानगर, (कासं)। बीकानेर कैनाल को आरडी 45 पर 2,580 क्यूसेक पानी दिया जा रहा है। यह पानी खखां हैड पर पहुंचते-पहुंचते 1927 क्यूसेक ही रह रहा है। इस कारण गंगनहर सिस्टम की 22 में से 15 नहरें बंद पड़ी हैं। कम पानी के कारण तीन नहरें तो नंबर में होने के बावजूद बंद करनी पड़ी हैं।

बता दें कि 21 मई से ही बीकानेर कैनाल में आरडी 45 से हिस्सा 2,500 क्यूसेक तय हुआ है। यह स्थिति 24 मई को सुबह 6 बजे, 9 बजे और शाम के 6 बजे की गेजों की है। पानी की आरडी 45 और खखां हैड पर पूरे दिन की स्थिरता से अनुमान है कि मात्रा में बढ़ोतरी नहीं होगी।

- गंगनहर सिस्टम की 22 में से 15 नहरें बंद पड़ी हैं

जितना पानी राजस्थान बॉर्डर पर पहुंच रहा है, उससे 98 क्यूसेक से एमके, 60 क्यूसेक से एमएल, 503 क्यूसेक से शिवपुर हैड से एफ, 201 क्यूसेक से नेतेवाला हैड से जीजी, 277 क्यूसेक से कालूवाला हैड से एलएनपी,160 क्यूसेक से सुलेमान की हैड से पीएस और 198 क्यूसेक से बीबी नहर को चलाया जा रहा है। ईईए नहर का 24 मई का सुबह 9 बजे सप्ताह पूरा हो गया। हालांकि इसे बैलेंस पानी दिया जा रहा है।

उपलब्ध पानी की स्थिति के कारण समेजा, जैड, वाई, करणीजी, फार्म माइनर, बाइफरकेशन और जे, रिडमलसर माइनर, नाहरांवाली माइनर, हिरणांवाली माइनर, एचएच नहर, एच नहर, डी भागसर-साधुवाली माइनर, एमएलए, एम. के. और आर. बी. नहर बंद हैं। इनमें से आर. बी. 22 मई को सुबह 9 बजे, के.के. नहर 22 को दोपहर 12 बजे, एमएलए दोपहर 12 बजे नंबर में आने पर पानी छोड़ा गया था। ये तीनों नहरें 29 मई को अपना सप्ताह पूरा करने वाली थीं। लेकिन पानी की कमी के कारण बीच में बंद करनी पड़ी हैं। इससे किसानों को सिंचाई पानी का नुकसान हो रहा है।

पर्यावरण संरक्षण के लिये हम आने वाली पीढ़ियों पर निर्भर न रहें : दीक्षित

बीकानेर, (कासं)। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा 25 मई को इन्टरनेशनल कांफ्रेंस ऑन इमर्जिंग चेलेंजेज इन सस्टेनेबल डवलपमेंट एण्ड एन्वायरमेंटल कंजर्वेशन तीन दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन कुलगुरू आचार्य मनोज दीक्षित ने किया।

आचार्य दीक्षित ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में सतत् विकास की अवधारणा एवं पर्यावरण संरक्षण के लिये हम आने वाली पीढ़ियों पर निर्भर न रहें। क्योंकि जो कुछ हम भोग रहे हैं वह सब पीढ़ियों से उधार लिया हुआ है। समपोषणीय विकास तभी संभव है जब हम अपने आस-पास के परिवेश के स्थानीय संसाधनों का उपभोग वर्तमान आवश्यकताओं के साथ भविष्य की चिंता को ध्यान में रखते हुए न्यायोचित तरीके से उपभोग किया जावें। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें अर्थव्यवस्था व पर्यावरण में एक सामंजस्य स्थापित करना पड़ेगा, अन्यथा तमाम जरूरी संसाधन एक समय की बात हो जायेंगे।

पर्यावरण संरक्षण पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह को कुलगुरू आचार्य मनोज दीक्षित ने संबोधित किया।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के चेयरपर्सन प्रो. अनिल कुमार छंगाणी, विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान विभाग ने तीन दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा में बताया कि संगोष्ठी में 1850 से अधिक रजिस्ट्रेशन 20 देशों के प्रतिभागियां द्वारा किये गये जो कि इस अवधारणा के प्रति सकारात्मक सोच का विषय है। संगोष्ठी के विशिष्ठ अतिथि के रूप में अयोध्या प्रसाद गौड़ ने बताया कि केयर्न एनर्जी द्वारा बाड़मेर क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण हेतु सामाजिक एवं गैर सरकारी संगठनों के साथ काफी काम किया जा रहा है, जिसमें महिला कार्मिकों की भागीदारी सराहनीय है। गंगासिंह विश्वविद्यालय से करार करके विशेष प्रकार के पाठ्यक्रम चलाये जायेंगे जिनसे संभाग के विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सके।

- पर्यावरण संरक्षण पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

घड़सीसर के सूने एरिया में मिली मानव खोपड़ी

बीकानेर, (कासं)। यहां घड़सीसर क्षेत्र में एक मानव खोपड़ी मिलने के बाद सनसनी फैल गई। पुलिस ने खोपड़ी के आसपास ही कुछ मांस के टुकड़े भी बरामद किए हैं। अब एफएसएल टीम की जांच के बाद ही पता चलेगा कि ये खोपड़ी किसकी है।

घड़सीसर के एक सूने परिसर में पत्थर के कुछ टुकड़ों पर ये खोपड़ी रखी हुई थी। मानव खोपड़ी देखकर लोगों ने गंगाशहर पुलिस को फोन किया। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने खोपड़ी और मौके पर मिले मांस के कुछ टुकड़ों को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की है।

अंदेशा जताया जा रहा है कि यह खोपड़ी थाना क्षेत्र के किसी युवक की हो सकती है। डीएनए जांच और अन्य फोरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा कि ये खोपड़ी किसकी है। अगर ये खोपड़ी इसी क्षेत्र के किसी व्यक्ति की है तो शरीर के शेष हिस्से और हड्डियां किसकी है। ये भी पता लगाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार मामला गंभीर है और हर पहलू से जांच की जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह दुर्घटना, आत्महत्या या हत्या का मामला है। फिलहाल शव के अन्य हिस्सों की तलाश भी की जा रही है। ये भी आशंका है कि किसी ने तांत्रिक क्रिया के लिए इस तरह की खोपड़ी लाकर रखी है।

घड़सीसर के एक सूने परिसर में पत्थर के कुछ टुकड़ों पर मानव खोपड़ी रखी हुई मिली।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बोले-डोटासरा में राष्ट्रभक्ति की कमी

प्रधानमंत्री के बयान की भावना समझने की बजाय, दुश्मन देश की भाषा बोल रहे हैं डोटासरा

पाली, (नि.सं.)। कांग्रेस नेता गोविंदसिंह डोटासरा में राष्ट्रभक्ति की कमी है। वे प्रधानमंत्री मोदी के बयान की भावनाओं को नहीं समझते हुए गलत कमेंट कर दुश्मन देश पाकिस्तान की भाषा बोल रहे है। ऐसा तो कोई संस्कारहीन व्यक्ति ही कर सकता है। यह बात रविवार को पाली के रोटरी क्लब में मीडिया को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कही।

उन्होंने कहा कि गत दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने बीकानेर में जन सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि उनकी रगों में गरम सिंदूर बहता है। उनकी भावना था कि वे आतंकवाद के खिलाफ है और देश की जनता की सुरक्षा के लिए हरदम तैयार खड़े है। लेकिन विपक्ष के कांग्रेस नेता गोविंदसिंह डोटासरा ने बिना कुछ समझे चूरू में शुक्रवार को आयोजित जनसभा में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के शरीर में खून नहीं है। अगर खून होता तो डोनाल्ड ट्रंप पंचायती नहीं करता। उनका यह बयान बताता है कि उनमें राष्ट्रभक्ति की कमी है। कोई संस्कारहीन व्यक्ति ही ऐसी बात कर सकता है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पाली के रोटरी क्लब में मीडिया को संबोधित किया।

- डोटासरा ने बिना कुछ समझे चूरू में शुक्रवार को आयोजित जनसभा में पीएम मोदी पर टिप्पणी की थी

युद्ध सीमा पर ही नहीं सोशल मीडिया पर भी लड़ा जाता है रोटरी क्बल में आयोजित प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात कार्यक्रम में आए भाजपाइयों को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने कहा कि वर्तमान समय में युद्ध सीमा पर ही नहीं सोशल मीडिया पर भी लड़ा जाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह बीकानेर में प्रधानमंत्री मोदी के बयान मेरी रंगों में गरम खून बहता है। उस पर कांग्रेस नेता गोविंदसिंह डोटासरा ने जो कमेंट किया है। उसका हम सब भाजपाइयों को मिलकर जवाब देना चाहिए था ताकि वे निरुत्तर हो सके। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने बताया कि उन्होंने सीमाओं का दौरान किया सैनिकों से मिले। फलौदी में पाकिस्तान की एक 22 फीट लम्बी रिफ्यूज मिसाइल खेत में गिरी। जिससे महज छह इंच का गड्ढा हुआ। उन्होंने कहा पाकिस्तान में बिना किसी लक्ष्य के मिसाइलें दागी। उन्होंने कहा कि देश की सीमा पर बसे गांवों के ग्रामीण भी सोल्जर से कम नहीं है। युद्ध जैसी स्थिति में ही बेखौफ होकर बच्चे और युवा सेना की मदद के लिए जाने को तैयार हो गए। सीजफायर पर कहा कि कूटनीतिक बातें बताई नहीं जाती विपक्ष द्वारा सीजफायर करने का सवाल बार-बार उठाया जा रहा है। इसका जवाब देते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत पर कटास करते हुए कहा कि जो व्यक्ति तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके है और गोपनियता की शपथ ले चुके है। वे ही देश की सुरक्षा के जुड़े मुद्दे को लेकर सवाल जवाब कर रहे है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मां) योजना में फर्जी साइन से करीब 60 लाख कीमत की दवाओं की खरीद

बीकानेर। संभाग के सबसे बड़े पीबीएम हॉस्पिटल में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मां) योजना में फर्जी साइन से करीब 60 लाख कीमत की दवाओं की खरीद करने का मामला सामने आया है। यह खरीद भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले दिनों उपजी युद्धकालीन परिस्थितियों की आड़ में की गई थी।

भारत-पाक के बीच युद्धकालीन परिस्थितियों के चलते राज्य सरकार ने राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में बेड और दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए थे। उसी दौरान मां योजना के तहत राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी को 27 नंबर स्टोर के नाम से 29 प्रकार के सर्जिकल आयटमों की अतिरिक्त डिमांड जारी की गई। सेंटर ड्रग वेयर हाउस इंचार्ज डॉ. शिव शंकर झंवर ने इसके लिए एनएसी(नोट अवेलेबल सर्टिफिकेट) जारी कर दी। इनमें से 24 तरह के आइटम्स की खरीद रेट कांट्रेक्ट पर दो फर्मों से की गई, जिनकी कीमत करीब 60 लाख रुपए बताई जा रही है। मामला उस वक्त उजागर हुआ जब दवाओं की सप्लाई और बिल 27 नंबर स्टोर पहुंचे। योजना के नोडल प्रभारी डॉ. सीताराम महरिया ने डिमांड नोट पर खुद के ही साइन फर्जी करार देते हुए बिलों पर साइन करने से मना कर दिया और आइटम भी लौटा दिए। उन्होंने 21 मई को बाकायदा लिखित में इसकी शिकायत पीबीएम अधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा से कर दी।

- नोडल ऑफिसर ने कहा-डिमांड नोट पर मेरे साइन फर्जी हैं
- मां योजना के तहत राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी को 27 नंबर स्टोर के नाम से 29 प्रकार के सर्जिकल आयटमों की अतिरिक्त डिमांड जारी की गई।
- यह खरीद भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले दिनों उपजी युद्धकालीन परिस्थितियों की आड़ में की गई थी।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री के 22 मई के दौरे के कारण 21 मई को पूरी सरकार बीकानेर में ही थी। फंसने के डर से मामले को दबा दिया गया। इस खरीद को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। चर्चा है कि पहले भी इसी तरह की गड़बड़ियां हो चुकी हैं। बड़ा सवाल ये है कि आखिर कैंसर हॉस्पिटल में मेडिकल ऑफिसर डॉ. शिव शंकर झंवर पर इतनी मेहरबानी क्यों हैं इन्हें मुख्यमंत्री निरोगी राजस्थान योजना का नोडल इंचार्ज बनाया। इस वजह से ड्रग वेयर हाउस और सभी 60 दवा वितरण केंद्रों के भी प्रभारी हैं। इसके साथ ही मेडिसिन विभाग में प्रोफेसर रैंक के डॉ. मनोज माली के रहते डॉ. झंवर को पीबीएम की मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की क्रय समिति का स्थायी सदस्य भी बना दिया गया।

इसके अलावा सीएमएचओ ने भी डॉ. झंवर को क्लिनकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट की कमेटी का सदस्य बना रखा है । डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा, अधीक्षक, पीबीएम हॉस्पिटल ने बताया कि मां योजना में सर्जिकल आइटम की खरीद को लेकर जाली साइन करने की शिकायत मिली है। जांच करेंगे।

डॉ. शिवशंकर झंवर, नोडल प्रभारी, ड्रग वेयर हाउस ने कहा कि डिमांड नोट पर साइन मेरे ही हैं। डॉ. सीताराम को गलत फहमी हुई है। युद्ध को देखते हुए खरीद की थी। डॉ. सीताराम महरिया, नोडल अधिकारी, सीएम मां योजना स्टोर ने कहा कि 'डिमांड नोट पर मेरे फर्जी साइन किए हैं। सप्लाई और बिल तक स्टोर भेज दिए। शिकायत अधीक्षक से की है।'

इस सम्बंध में डॉ. गुंजन सोनी, प्रिंसिपल, एसपी मेडिकल कॉलेज का कहना है कि मेरे पास कोई शिकायत नहीं आई। डॉ. झंवर का कहना है कि कोई फर्जीवाड़ा नहीं किया है। साइन मेरे ही हैं।

बीकानेर के आसमान में रात को दिखे स्टारलिंक सैटेलाइट

बीकानेर । यहां आसमान में रात लाइट्स चमकती नजर आईं। लोगों को एकबारगी तो लगा कि ये पाकिस्तानी ड्रोन हैं। हालांकि ड्रोन को लेकर कोई पुष्टि नहीं हुई है। माना जा रहा है कि ये इलॉन मस्क के स्टारलिंक सैटेलाइट्स थे।

जानकारी के अनुसार रात करीब 9 बजे गजनेर रोड कोडमदेसर की तरफ आकाश में ड्रोन जैसी 10 से ज्यादा चमकदार वस्तुएं दिखाई दीं। ये एक ही लाइन में चल रही थीं। जिसने भी देखा, सभी ने इन्हें ड्रोन समझा। घबराकर लोगों ने पुलिस थानों में फोन करने शुरू कर दिए।

- 10 से ज्यादा एक लाइन में नजर आए; लोगों ने पाकिस्तानी ड्रोन समझा
- रात में पूर्व मंत्री देवीसिंह भाटी अपने फार्म पर बैठे थे उन्हें आसमान में ड्रोन जैसी वस्तु नजर आई तो उन्होंने आईजी ओमप्रकाश को सूचना दी। उसके बाद पुलिस, आर्मी और इंटेलिजेंस एजेंसियां सक्रिय हो गई।

कुछ ही देर में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ये स्टारलिंक सैटेलाइट्स हैं। इनका मूवमेंट शनिवार और रविवार को बीकानेर के ऊपर रहेगा। रात के समय ये कहीं भी दिखाई दे सकते हैं। इसलिए भयभीत होने की जरूरत नहीं है। खास बात यह है कि रात में पूर्व मंत्री देवीसिंह भाटी अपने फार्म पर बैठे थे। उन्हें आसमान में ड्रोन जैसी वस्तु नजर आई तो उन्होंने आईजी ओमप्रकाश को सूचना दी। उसके बाद पुलिस, आर्मी और इंटेलिजेंस एजेंसियां सक्रिय हो गईं। स्टारलिंक सैटेलाइट्स पृथ्वी से लगभग 550 किलोमीटर ऊपर लो अर्थ ऑर्बिट में घूमते हैं। इनकी स्पीड 450 किलोमीटर प्रतिघंटा होती है। ये सैटेलाइट्स एक साथ कई देशों में कवरेज प्रदान करते हैं। वर्तमान में स्टारलिंक के पास 7,000 से अधिक सैटेलाइट हैं, जो धीरे-धीरे बढ़ कर 40,000 तक पहुंच सकते हैं। भारत के लोगों को जल्द ही सैटेलाइट इंटरनेट मिलने वाला है। इलॉन मस्क की स्टारलिंक समेत कई सैटेलाइट कम्युनिकेशंस फर्म्स से कुछ दिनों के भीतर ही भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ये कंपनियां मंथली 10 डॉलर यानी लगभग 840 रुपए से कम कीमत वाले प्रमोशनल अनलिमिटेड डेटा प्लान जारी करेंगी। सैटेलाइट ट्रैकिंग ऐप्स का उपयोग करके सैटेलाइट के मूवमेंट को लाइव देखा जा सकता है। जानकारी के अनुसार स्टारलिंक को भारत में सेवाएं शुरू करने के लिए अप्रूवल मिलने का इंतजार है। स्टारलिंक समेत सैटेलाइट कम्युनिकेशंस कंपनियों का टारगेट अपने यूजर बेस को तेजी से बढ़ ाना है। यह मिड-टू-लॉन्ग टर्म में 10 मिलियन यानी 1 करोड़ कस्टमर तक पहुंच सकता है।

500 किलो से अधिक सड़े गले आम व केले को नष्ट करवाया

पाली, (नि.सं.)। ग्रीष्मकालीन विशेष अभियान के तहत "शुद्ध आहार मिलावट पर वार" की कार्यवाही करते हुये पाली जिले के खाद्य सुरक्षा अधिकारियो ने आयुक्त खाद्य सुरक्षा औषधि नियंत्रण एच गुईटे के दिशा निर्देश पर बड़ी कार्यवाही करते हुये 500 किलो से अधिक सड़े गले आम व केले को नष्ट करवाया।

इस विशेष अभियान के तहत खाद्य कारोबारकर्ताओं को कच्चे फलो को पकाने में प्रयुक्त होने वाले जहरीले रसायन का छिड़काव नहीं करने की हिदायत दी गयी। साथ ही फल एवं सब्जी मंडी के हालसेल व्यापारियों को सड़े गले फलों व सब्जियों को नहीं विक्रय करने के लिये पांबद किया गया। सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल के निर्देशानुसार हीटवेव जैसी तेज गर्मी में पेय पदार्थों ज्युस व फलों में रसायन का प्रयोग करने वाले खाद्य कारबोरकर्ताओ पर विशेष कानूनी कार्यवाही करने को कहा गया। इस अभियान के तहत श्याम एठो फुडस अम्बे नगर स्थित कोल्ड स्टोरेज सेन्टर पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीपसिंह यादव व सुरेश चन्द्र शर्मा मय टीम ऑपरेटर ओम प्रकाश प्रजापत ने निरिक्षण किया तथा पाया की कोल्ड स्टोरेज सेन्टर में केले को पकाने में प्रयुक्त रसायन एफएसएसएआई द्वारा अधिकृत था।

- सावधान 100 के 04 किलोग्राम आम आपके लिये बन सकते हैं जानलेवा

सुनने के बाद आप हैरत में रह जायेगें लेकिन यह सच है ऐसा ही मामला जब सामने आया तब खाद्य सुरक्षा अधिकारियो द्वारा अचानक फल एवं सब्जी मंडी में दबिश देकर एक होलसेल व्यापारी के यहां छापा मारा गया। जो आम बाजार में 100 से 150 रूपये किलोग्राम के बिकते हैं वो ही आम फल केरट में सड़े गले मिले अधिकारियो के पूछने पर खाद्य कारोबारकर्ता ने सौ के 04 किलो देने की बात कह दी। इन सड़े व बदबूदार आमों में कीड़े पड़े मिले। जिस पर कार्यवाही करते हुये 500 से अधिक किलो आम को नष्ट करवाया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द्र शर्मा ने बताया की केल्सियम कार्बाइड व एस्टीलीन जैसे रसायनो का उपयोग फलो को पकाने में करने पर यह आमजन के स्वास्थ्य के लिये जानलेवा साबीत हो सकता हैं।

'जनहित के कार्यों में अग्रणी रही रानी अहिल्याबाई होल्कर'

पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वी जन्म जयंती रविवार को बूंदी शहर मंडल द्वारा भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर मनाई ।

बूंदी। पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वी जन्म जयंती रविवार को बूंदी शहर मंडल द्वारा भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर मनाई गई।

कार्यक्रम में अतिथि भाजपा एसटी मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष आशा मीणा थी। पूर्व जिलाध्यक्ष कुंजबिहारी बिल्या, शहर अध्यक्ष राजकुमार श्रृंगी, भाजपा नेता भरत शर्मा, पूर्व जिला प्रमुख राकेश बोयत, पूर्व भाजपा जिला प्रवक्ता निर्मल मालव ,भाजपा नेता अशोक जैन में अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया की रानी अहिल्या बाई होल्कर न्यायप्रिय सामाजिक उत्थान और जनहित के विकास कार्यों में अठाणी रही है। उनकी सूझ बूझ से रानी अहिल्याबाई देश के श्रेष्ठ शासकों में रही है। मीडिया प्रभारी अभिषेक जैन ने बताया की कार्यक्रम के दौरान सहसंयोजक लोकेश दाधीच, बालकिशन सोनी, नवीन चतुर्वेदी, महावीर जैन, कौशल त्रिवेदी, गौरव वर्मा, विकास सनाढय, जमनाशंकर, कालू कटारा, अजय त्यागी, मोती लाल धाकड, सुनील खुनेटिया, चेतन पंचोली, बंटी पंचोली, स्वप्नेश शर्मा, निखिल राठौर मौजूद रहे।

हरपालू सांवल गांव का लाल शहीद

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ तहसील के नजदीक गांव हरपालू सांवल के लाडले कांस्टेबल कुलदीप पूनिया 30 वर्ष वीरगति को प्राप्त हो गए हैं। रविवार शाम 6 बजे मिली जानकारी के अनुसार 26 मई 2025 को प्रात: 5 बजे के करीबन शहीद कॉन्स्टेबल कुलदीप पूनिया की पार्थिवदेह शहीद स्मारक राजगढ पहुंचेगी। जहां से प्रात: 8 बजे उनकी पार्थिवदेह तिरंगा यात्रा के साथ शहीद स्मारक राजगढ से रवाना होकर हरपालु सांवल गांव में पहुंचेगी। जहाँ उनके पैतृक गांव हरपालु सांवल में सैनिक सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। पूर्व जिला परिषद सदस्य कुलदीप पूनिया, विहि परिषद के प्रवीण सरदारपुरा व सामाजिक कार्यकर्ता गोताखोर नरेंद्र सांगवान ने तिरंगा यात्रा में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने हेतु शहीद स्मारक राजगढ पहुंचने में पहुँचने का आहवान किया है। गौरतलब है कि कृषक राजेंद्र पूनिया निवासी हरपालू सांवल के घर जन्मे कॉन्स्टेबल शहीद कुलदीप पूनिया त्रिपुरा के अगरतला में ऑन ड्यूटी पर थे।

बजरी माफिया के डंपर से कांस्टेबल कुचला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के लूणी पुलिस के कॉन्स्टेबल को बजरी माफिया ने डंपर से कुचल दिया। इस पर कॉन्स्टेबल गंभीर रूप से हो गया। घटना उस समय हुई जब पुलिस टीम अवैध रूप से बजरी का परिवहन कर रहे डंपर को रोक कर जांच कर रही थी।

- नाजुक हालत को देखते हुए कांस्टेबल को आईसीयू में भर्ती कराया

प्राप्त जानकारी के अनुसार, खेजड़ली से गोरा होटल के बीच फिटकासनी रोड पर गुलजी की प्याऊ के निकट लूणी पुलिस की टीम ने एक बजरी लदे डंपर को रोका था। कॉन्स्टेबल सुनील बात कर रहा था, तभी चालक ने डंपर भगा दिया और कॉन्स्टेबल को कुचल दिया। इसके बाद आरोपी डंपर लेकर फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल कॉन्स्टेबल को साथी पुलिसकर्मी तुरंत एमडीएम हॉस्पिटल ले गए।

उसकी नाजुक हालत को देखते हुए आईसीयू में भर्ती किया गया है, जहां उसका उपचार शुरू किया गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस के आला अधिकारी हॉस्पिटल पहुंचे और डॉक्टर्स से घायल कॉन्स्टेबल की स्थिति के बारे में जानकारी ली। पुलिस ने अलग-अलग टीमें गठित कर डंपर व उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है।

बोरानाडा एसीपी आनंदसिंह ने बताया कि रविवार सुबह खेजड़ली के पास लूणी पुलिस की टीम नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान अवैध रूप से बजरी भरे डंपर को पुलिस टीम ने रुकवाने का प्रयास किया, लेकिन वो नहीं रुका। पुलिस टीम ने करीब एक किमी तक उसका पीछा किया। तब डंपर चालक उसे साइड की रोड पर ले गया और बजरी वहीं पर खाली करने लगा।

डंपर के रुकते ही कॉन्स्टेबल सुनील उसके पास पहुंचा, तो डंपर चालक ने कट मारा, जिससे कॉन्स्टेबल नीचे गिर गया। इसके बाद बदमाश चालक ने उसके पैर व पेट के ऊपर से कुचलते हुए डंपर भगा ले गया।

सेना के सम्मान में निकाली तिरंगा रैली

करौली । स्थानीय वीणा मेमोरियल पी जी कॉलेज में राष्ट्रीय कैडेट कोर के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं स्काउट-गाइड के सहयोग से भारत के द्वारा पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध स्वरूप एवं आतंक के विरुद्ध भारतीय सेना द्वारा चलाये गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता व भारतीय सेना के अदम्य साहस व शौर्य के सम्मान में सेना सम्मान व तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ लक्ष्मन धाकड ने बताया कि रैली को सचिव विजय सिंह जादौन द्वारा हरी झंडी दिखा कर प्रारम्भ किया गया। रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारम्भ होकर शहर में यातायात पुलिस मुख्यालय, 132 केवी जीएसएस होते हुए शहर के विभिन्न स्थानो से होकर निकाली गई। रैली का नेतृत्व राष्ट्रीय कैडेट कोर की कैडेट तनिया अठावाल द्वारा किया गया व वन्देमातरम,भारत माता की जय,हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए रैली निकली गई। रैली में विभागाध्यक्ष रघुनंदन सिंह,राष्ट्रीय कैडेट कोर के मुनेश कुमार मीना,राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ भूपेंद्र पाल, स्काउट एवं गाइड के प्रभारी लल्लन यादव आदि मौजूद थे।

11 बीघा नरमा की फसल को ट्रैक्टर से रौंदा, रखवाली कर रहे युवक का किडनैप

हनुमानगढ़ । रावतसर पुलिस थाने में पांच व्यक्तियों के खिलाफ फसल नष्ट करने और जबरन कब्जे को प्रयास का मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

- रावतसर में किसान के खेत पर कब्जे की कोशिश

ट्रैक्टर व तोई लेकर खेत में घुसे पिता-पुत्रों ने नरमा की फसल पलट दी। पाइप व फव्वारा आदि को नुकसान पहुंचाया। गेहूं चोरी कर ली व खेत में रखवाली कर रहे युवक का अपहरण कर लिया। इस संबंध में रावतसर पुलिस थाना में पांच व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया है। पुलिस के अनुसार ओमप्रकाश (58) पुत्र रेवन्ताराम जाट निवासी खोडां ततहसील रावतसर ने रिपोर्ट के जरिए मुकदमा दर्ज करवाया कि उसके नाम से चक खोडां बारानी में 17 बीघा कृषि भूमि है। उसने अपनी कृषि भूमि में से 11 बीघा में नरमा फसल काश्त कर रखी है। उसका लड़का चन्द्रपाल रात्रि को खेत में ही रहता है। चुन्नीराम पुत्र पुरखाराम, उग्रसेन, रामेश्वर, श्रवण, नौरंगराम पुत्र चुन्नीराम कुम्हार निवासी खोडां ने ट्रैक्टरों के जरिए तोई मारकर 11 बीघा में खड़ी नरमा फसल को पलट दिया। नरमा फसल में फव्वारा पद्धति की 80-82 तीन इंची पाइप व 40 फव्वारा को तोई चला कर कुतर दिया। शुक्रवार अल सुबह करीब चार बजे उसके लड़के जसवंत ने अपने भाई चन्द्रपाल को कृषि कनेक्शन चालू करने के लिए फोन किया तो फोन स्विच ऑफ था। जसवंत खेत गया और देखा कि 5-7 व्यक्ति ढाणी के बाहर झुंड बना कर बैठे थे और 8-10 व्यक्ति अन्दर बैठे थे। ढाणी के आगे एक बोलेरो गाड़ी खड़ी थी। इन सभी लोगों के हाथों में लाठियां-गन्डासी आदि हथियार थे। दूर से देखते ही चुन्नीराम व श्रवण ने उसके लड़के जसवंत को धमकी दी कि नरमा फसल को तो हमने पलट दिया, अगर तूं खेत में आया तो जान से मार देंगे। इस पर उसका लड़का डर के मारे गांव की तरफ भाग गया। तब तीन-चार व्यक्ति उसके लड़के के पीछे दौड़े। उसके लड़के ने भाग कर अपनी जान बचाई। ओमप्रकाश के अनुसार उसका लड़का चन्द्रपाल रात खेत गया हुआ था। वह रोज खेत में ही रखवाली करके सो जाता है। अब उसके लड़के चन्द्रपाल का न तो फोन मिल रहा है और न ही उसके लड़के का कोई पता लगा है। उसे आशंका है कि उसके लड़के चन्द्रपाल को इन लोगों ने अगवा कर गायब कर रखा है।

साढ़े तीन लाख रुपये के नकली नोट बरामद

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के बागोडा पुलिस ने रविवार को 3,67,500 लाख रूपये भारतीय जाली मुद्रा बरामद कर दो आरोपियो को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल को भी जब्त किया। जालोर जिले के बागोडा थानाधिकारी हुकमाराम के नेतृत्व में 24 मई 2025 को थाना हल्का क्षेत्र में दौराने नाकाबंदी सरहद तिलोडा बाईपास रोड पर एक मोटरसाईकिल सहित हितेश कुमार पुत्र द्वारकाप्रसाद जाति संत उम्र 30 साल निवासी देताकला पुलिस थाना सायला व दिनेश कुमार पुत्र हडमताराम जाति मेघवाल उम्र 24 साल निवासी जेसावास पुलिस थाना बागोडा के कब्जे से कुल 3,67,500 लाख रूपये भारतीय जाली मुद्रा बरामद कर नियमानुसार कार्यवाही की गई। आरोपी हितेश कुमार के कब्जे से 3 लाख रूपये के 500 रूपये के 600 नोट व मुलजिम दिनेश कुमार के कब्जे से 500 रूपये के 135 नोट भारतीय जाली मुद्रा के बरामद किये गये व अभियुक्तो के कब्जे से घटना में प्रयुक्त वाहन मोटरसाईकिल नम्बर आरजे 46 एसपी 1275 को जब्त किया गया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी पहुंची झुंझुनूं

झुंझुनूं, (निसं)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड रविवार को झुंझुनूं आई। वे रोड नंबर एक पर कुलहरि भवन में आयोजित शोक सभा में शामिल हुई।

बार एसोसिएशन झुंझुनूं के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता सतीशचंद्र कुलहरि की पत्नी बिमला कुलहरि के निधन पर उन्होंने शोक जताते हुए ढ ांढ स बंधाया। इससे पहले शेखावाटी पत्रकार संघ के अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार बालमुकुंद जोशी, अब्दुल रज्जाक पंवार, वीरवर झुंझार सिंह स्मारक स्थल संस्थान के प्रवक्ता महेंद्र सिंह चौधरी, रिटायर्ड डाइट प्रिंसिपल अमीलाल मूंड आदि ने भी कुलहरि निवास पर पहुंचकर शोक जताया। उप राष्ट्रपति की पत्नी के आने के कारण रोड नंबर एक और कुलहरि निवास पर सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था थी। आपको बता दें कि बिमला देवी कुलहरि के ससुर विद्याधर कुलहरि ना केवल एक वरिष्ठ अधिवक्ता थे। बल्कि स्वतंत्रता सैनानी होने के साथ-साथ वे नवलगढ़ पंचायत समिति के प्रधान भी थे।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ रविवार को झुंझुनूं आई। वे रोड नंबर एक पर कुलहरि भवन में आयोजित शोक सभा में शामिल हुई।

जेएलएन अस्पताल में जीवनरक्षक दवाइयों का संकट

अजमेर। संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में दवाइयों का गंभीर संकट उभरकर सामने आ रहा है। आवश्यक दवाइयों की भारी कमी ने मरीजों को संकट में डाल दिया है। स्थिति यह है कि अस्पताल में 53 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं, जिनमें कई जीवनरक्षक और रोजाना इस्तेमाल की जाने वाली दवाएं भी शामिल हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति कैल्शियम सप्लिमेंट और हार्ट के मरीजों के लिए आवश्यक क्लोपिडोग्रेल-एस्पिरिन कॉम्बिनेशन की है, जिसका स्टॉक खत्म हो गया है। चिकित्सकों के अनुसार ये दवाइयां खासतौर पर दिल के मरीजों, हड्डियों की कमजोरी, मधुमेह और न्यूरोलॉजिकल समस्याओं से जूझ रहे रोगियों के लिए बेहद जरूरी हैं।

- मरीजों को उठानी पड़ रही परेशानी
- अस्पताल प्रबंधन ने तैयार की 53 शॉर्ट दवाओं की सूची
- मरीजों को दे रहे विकल्प दवाईयां

अस्पताल प्रशासन दावा कर रहा है कि मरीजों को बाजार से या लाइफ लाइन सप्लाई चैन से विकल्प दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, लेकिन यह समाधान स्थायी नहीं है। चिकित्सकों का कहना है कि शिकायत मिलने पर कुछ दवाइयां बाजार से खरीद कर दी जा रही हैं, लेकिन हर मरीज को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार इन दवाओं की अनुपलब्धता से सबसे अधिक असर हृदय रोगियों, वृद्धों, मधुमेह पीडितों और किडनी लिवर संबंधी रोगियों पर पड़ता है। क्लोपिडोग्रेल-एस्पिरिन की अनुपलब्धता से प्लेट लेट्स कंट्रोल नहीं होने और हृदयघात का खतरा बढ़ सकता है। वहीं कैल्शियम व विटामिन की अनुपलब्धता से हड्डियों की मजबूती प्रभावित होती है, खासकर महिलाओं और बुजुर्गों में। जेएलएन अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने कहा कि अस्पताल में सभी दवाओं की सूची तैयार कर जयपुर मुख्यालय को भेजी गई है, जल्द ही सप्लाई मिलने की उम्मीद है। फिलहाल मरीजों को किसी भी स्थिति में खाली हाथ नहीं लौटाया जा रहा है, उन्हें बाजार से लाइफ लाइन से विकल्प दवाइयां खरीद कर दी जा रही है।

जेल में चल रहे एस.टी.डी. बूथ से फोन कर जेल में कैदियों ने बनाया अय्यासी का प्लान

इलाज के बहाने जेल से निकल होटल पहुंचे कैदी, चार कैदी और चार पुलिसकर्मी हिरासत में

जयपुर। सेंट्रल जेल में बंद चार बदमाशों को जेल प्रशासन, डॉक्टर, पुलिस ने मिल कर इलाज के नाम पर जेल से बाहर किया। इसके बाद चारों अपनी-अपनी गर्लफ्रेंड को लेकर जयपुर के दो होटलों में पहुंच गए। मामला सामने आने के बाद जयपुर पुलिस ने चार कैदियों और चार पुलिसकर्मियों को हिरासत में लिया है। मामले में जेल के डॉक्टर और अन्य अधिकारियों से भी पूछताछ की जा रही है। इस पूरे प्लान को जेल में चल रहे एसटीडी बूथ के माध्यम से फोन कर तैयार किया गया। कैदी अय्याशी करने के लिए जेल से निकले थे। पुलिस अब इस मामले में कैदियों और पुलिसकर्मियों के बीच लेने के मामले की जांच कर रही है। इस पूरे प्रकरण को लेकर जालुपुरा और एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

गौरतलब है कि जयपुर सेंट्रल जेल में बंद रफीक, भंवर, अंकित, करण और जोगेंद्र अलग-अलग अपराध में बंद हैं। शनिवार सुबह बीमारी का हवाला देकर जेल सभी पांच बदमाश अस्पताल पहुंचे। वहां तैनात डॉक्टर कैलाश ने इन सभी को इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया। जेल अधीक्षक को इसकी सूचना दी गई थी। पुलिस लाइन से आए गार्ड इन कैदियों को लेकर एसएमएस अस्पताल पहुंचे। यहां पर्ची कटवाने के लिए कैदी जोगेंद्र को एक हेड कांस्टेबल और सिपाही वापस जेल ले गए। जबकि बाकी चार बंदी रफीक,भंवर, अंकित और करण दो सिपाहियों के साथ मिलीभगत कर जयपुर के सिंधी कैंप और एयरपोर्ट के पास स्थित होटलों में पहुंच गए। जहां पहले से उनकी महिला मित्र होटलों में मौजूद थीं।

- **महिला मित्रों के साथ आपत्तिजनक हालत में थे कैदी, सीएसटी टीम ने पकड़ा**

जांच में सामने आया कि कैदियों ने जेल में लगी एसटीडी सुविधा के जरिए अपने परिचितों और परिजनों से बातचीत कर इस पूरी साजिश को अंजाम दिया। अस्पताल पहुंचने पर उनके अन्य साथी भी वहां मौजूद थे। जो उन्हें होटलों तक ले गए। इस पूरे खेल में पुलिसकर्मियों को लालच देकर शामिल किया गया। कैदियों ने पहले से ही होटलों में मुलाकात की योजना बना ली थी, जिसमें जेल के डॉक्टर और कुछ पुलिसकर्मियों की संलिप्तता थी। बिना डॉक्टर की एडवाइस के किसी भी कैदी को जेल से रेफर नहीं किया जा सकता। डॉक्टर जिन कैदियों का रेफर बनाता है, एक बार जेल अधीक्षक उन कैदियों से मिलता है। ऐसे में यह चूक होना इस बात को बता रहा है कि जयपुर जेल में इतनी अधिक अनियमितता मिलने के बाद भी ये लोग सुधर नहीं रहे हैं।

जयपुर कमिश्नरेट पुलिस को इस घटना की जानकारी जेल के सूत्रों से मिली। जिस के बाद चालानी पुलिसकर्मियों की लोकेशन निकाली गई। जिस पर एयरपोर्ट और सिंधी कैम्प थाना इलाके से चारों बदमाशों और चार पुलिसकर्मियों को डिटेन कर थाने लाया गया। जिस के बाद जयपुर पुलिस ने दोनों थानों में एक-एक एफआईआर दर्ज कराई। चारों युवकों और चारों पुलिसकर्मियों से पूछताछ की जा रही है कि वह कैसे और किस तरह से यहां तक पहुंचे उनकी इस प्रकरण में किस किस ने मदद की? पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या अन्य बंदी व जेल कर्मचारी भी इस तरह की गतिविधियों में शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि कैदियों ने जेल के उच्च प्रशासन और डॉक्टर से मिलीभगत कर एक महीने पहले पर्ची कटाई थी। इसमें एलर्जी होना बताया था। इस पर्ची से ही जेल के डॉक्टर ने बंदियों को एसएमएस रेफर किया था। आरोपी बदमाश अंकित जीएसटी चोरी के मामले में जेल में 1 साल से बंद है। पहले भी एसएमएस हॉस्पिटल में अंकित अपनी गर्लफ्रेंड से मिल चुका है। अंकित के भाई को पुलिस ने 45 हजार रुपए के साथ होटल बेला कासा (एयरपोर्ट थाना) में पकड़ा। यहां से दोनों कैदियों के आईडी कार्ड मिले। दूसरा आरोपी करण जमीन की धोखाधड़ी के मामले में नवंबर 2024 से जेल में बंद है। रफीक उर्फ बकरी हत्या के मामले में जेल में बंद है। वहीं कैदी भंवर रेप के मामले में जेल में बंद है।

देश का प्रत्येक नागरिक एक सैनिक है : राज्यवर्धन सिंह राठौड़

जयपुर के गांडीव स्टेडियम से चित्रकूट स्टेडियम तक रविवार को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक यात्रा का नेतृत्व सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया। इस यात्रा में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद रहे।

जयपुर। भारतीय सेना के शौर्य, बलिदान और वीरता को सम्मान देने के उद्देश्य से रविवार को जयपुर के गांडीव स्टेडियम से चित्रकूट स्टेडियम तक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक यात्रा का नेतृत्व राजस्थान के सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया।

यह तिरंगा यात्रा देश की सुरक्षा में जुटे वीर जवानों और ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े सभी सशस्त्र बलों को समर्पित थी। इसमें बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक,वीर नारियाँ,उनके परिजन एवं युवाओं ने भाग लिया। यात्रा के दौरान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को हाथों में लेकर 'भारत माता की जय' और 'वीर जवान अमर रहें' के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि हमें गर्व है कि हमारे देश के सैनिक सीमाओं पर अडिग रहकर देश की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने यात्रा में शामिल सभी पूर्व सैनिक,उनके परिजन एवं युवाओं महिलाओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि देश का प्रत्येक नागरिक एक सैनिक है। जो राष्ट्र को मजबूत करने में योगदान देता है। कर्नल राठौड़ ने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और देश के सैनिकों को आतंकवाद खत्म करने की स्वतंत्रता देने के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित किया। इसी के साथ उन्होंने सेना के जज़्बे को भी सलाम किया।

इस अवसर पर सांसद मदन राठौड़ ने भी यात्रा में भाग लेकर सभी का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा भारतीय सेना के अदम्य साहस और त्याग को श्रद्धांजलि देने का प्रतीक है।

इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत करना,शहीदों के बलिदान को याद करना और समाज को एकजुट कर देश के प्रति समर्पण की भावना को प्रबल करना था। यात्रा का समापन चित्रकूट स्टेडियम में राष्ट्रगान के साथ हुआ।

राम बाग चौराहे के पास देर रात आए तूफान से सड़क पर गर्मी में तेज धूप से वाहन चालकों को बचाने के लिए लगाए गए ग्रीन शेड सड़क पर झुके जिससे ट्रेफिक डाइवर्ट किया गया। चौमू हाउस चौराहे के पास एक पेड़ भी गिरा। फोटो : दिनेश भारद्वाज

राजस्थान में करोना की धीमी दस्तक

जयपुर। राजस्थान में करोना संक्रमण की धीमी लेकिन चिंताजनक वापसी हो रही है। रविवार को राज्य में करोना के तीन नए मामले सामने आए हैं। जिसमें से जोधपुर एम्स, उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज और जयपुर के इटर्नल हॉस्पिटल में एक-एक संक्रमित मरीज की पुष्टि हुई है।

- **दो महीने का मासूम भी चपेट में**
- **2025 में अब तक करोना के 15 नए केस**

जानकारी के अनुसार इन सभी मामलों में सबसे अधिक चिंता का विषय डीडवाना के नागौर का है, जहां सिर्फ दो महीने का एक शिशु को गंभीर हालत में एम्स जोधपुर के एनआईसीयू में भर्ती किया गया है। हालांकि मासूम की हालत स्थिर बताई जा रही है। इसके अलावा उदयपुर के 27 वर्षीय युवक और अजमेर के केकड़ी कस्बे की सुभाष कॉलोनी के 68 वर्षीय बुजुर्ग में भी संक्रमण की पुष्टि हुई है।

कोरोना के कहर पर लगी लगाम के बाद वर्ष 2025 की शुरुआत शुरुआत से अब तक कुल 15 कोरोना मरीज सामने आ चुके हैं। लेकिन राहत की बात यह है कि अब तक किसी की भी मौत नहीं हुई है। संक्रमण के मामले राज्य के विभिन्न जिलों से दर्ज हुए हैं। जिसमें से फलौदी, बीकानेर, सवाईमाधोपुर से एक-एक, कुचामन, अजमेर, जोधपुर से दो-दो, जयपुर और उदयपुर से तीन-तीन मामलें सामने आ चुके है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि संक्रमण की संख्या कम है, लेकिन मामलों की भौगोलिक फैलावट और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी आयु वर्ग में संक्रमण के कारण सतर्कता बेहद जरूरी है। सरकार ने फिलहाल किसी तरह की नई पाबंदी लागू नहीं की है, लेकिन अस्पतालों में अलर्ट जारी किया गया है और लोगों को मास्क पहनने, भीड़भाड़ से बचने और लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराने की सलाह दी जा रही है।

गोस्वामी अंजन कुमार गोविंद देवजी मंदिर के एकल सेवारत महंत

जयपुर। शहर के अतिरिक्त जिला न्यायालय क्रम-4 महानगर द्वितीय ने गोविंद देवजी मंदिर के एकल सेवारत महंत के रूप में मृतक प्रद्युम्न कुमार गोस्वामी के स्थान पर गोस्वामी अंजन कुमार का नाम अंकित करने को कहा है। अदालत ने यह आदेश गोस्वामी अंजन कुमार के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

पीठासीन अधिकारी नीलम करवा ने मामले में अंजन कुमार और ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि सेवारत महंतों के उत्तराधिकार को ज्येष्ठाधिकार रीति से ही नियुक्त किया जाता है। वहीं राजस्थान लोक न्यास अधिनियम के प्रावधानों के तहत अंजन कुमार ही ज्येष्ठाधिकार के उत्तराधिकार का तरीका होने के आधार पर एकल कार्यवाहक प्रन्यासी नियुक्त होने का अधिकारी है।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता सुरुचि कासलीवाल ने अदालत को बताया कि सहायक देवस्थान आयुक्त ने सितंबर, 1972 को निर्णित किया कि ठिकाना मंदिर गोविन्द देवजी एक सार्वजनिक प्रन्यास है और उसके कार्यवाहक प्रन्यासी प्रद्युम्न कुमार गोस्वामी है। कार्यवाहक प्रन्यासी के उत्तराधिकार का तरीका ज्येष्ठाधिकार है। इस आदेश के खिलाफ एक अपील देवस्थान आयुक्त के समक्ष पेश की। आयुक्त ने फरवरी, 1977 को अपील का निस्तारण कर दिया। इसके तहत प्रार्थी के पिता को एकल कार्यवाहक प्रन्यासी माना गया। वहीं दिसंबर, 1977 में उनका निधन हो गया। ऐसे में प्रार्थी ज्येष्ठ पुत्र होने के कारण मंदिर का एक मात्र सेवायत महंत है। पिता की मौत होने पर प्रार्थी ने अपने आप को एकल प्रन्यासी घोषित करने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया था। सहायक देव स्थान आयुक्त ने प्रार्थना पत्र के खिलाफ पेश आपत्तियों को तय करते हुए साल 1999 में प्रार्थी के पक्ष में फैसला दिया और यह भी निर्देश दिया गया कि नवीन कार्यवाहक प्रन्यासी की नियुक्ति के लिए तीस दिन में जिला अदालत में प्रार्थना पत्र पेश किया जाए। अत: अंजन कुमार ने दिसंबर, 1999 में प्रार्थना पत्र पेश कर प्रद्युम्न कुमार के स्थान पर उसका नाम अंकित करने की गुहार की। वहीं इस प्रार्थना पत्र का उसके भाई ओधेश कुमार व अनुज कुमार के साथ ही ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह ने विरोध किया। सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने प्रार्थी का नाम एकल सेवारत महंत के रूप में अंकित करने को कहा है।

128 लोगों ने एक साथ किया "गिवअप"

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई और त्वरित समाधान के लिए जयपुर जिले में नियमित जनसुनवाई एवं रात्रि चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में कालवाड़ तहसील की बेगस ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल कार्यक्रम जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान जिला कलक्टर की अपील पर 128 लोगों ने गिव अप अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा योजना से नाम हटवाने की सहमति दी एवं 30 से अधिक लोगों ने पीएम सूर्यघर बिजली योजना का लाभ लेने का संकल्प लिया।

रात्रि चौपाल कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने ग्रामीणों के साथ संवाद किया और उनकी परिवेदनाएं सुनीं। रात्रि चौपाल में प्रमुख रूप से पेयजल, विद्युत, सड़क, चिकित्सा, पेंशन, पट्टे, राजस्व रिकॉर्ड शुद्धि, अतिक्रमण, श्मशान एवं खेल मैदान हेतु भूमि आवंटन से संबंधित परिवाद प्राप्त हुए जिनमें से अधिकतर परिवादों का निस्तारण मौके पर किया गया। जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों अधिकारियों को शेष परिवादों का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

युवा उत्तम स्वास्थ्य के लिए अपनाएं योग : नरेन्द्र मोदी

खेलो इंडिया यूथ गेम्स से स्थानीय प्रतिभाओं को मिला मंच : भजनलाल शर्मा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 122वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने नई दिल्ली प्रवास के दौरान होटल अशोका में मन की बात के इस संस्करण को सुना।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी सेनाओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से हर हिंदुस्तानी का सिर ऊंचा कर दिया है। यह हमारे संकल्प, साहस और बदलते भारत की तस्वीर है। देश की सेना के प्रति वंदन-अभिनंदन के लिए शहरों, गांवों, छोटे-छोटे कस्बों में तिरंगा यात्राएं निकाली गईं। उन्होंने बताया कि बीकानेर में बच्चों ने देशभक्ति की भावना से प्रेरित होकर बनाई पेंटिंग उन्हें भेंट की थी। मोदी ने कहा कि हमारे जवानों ने आतंक के अड्डों को तबाह किया। इस विजय में हमारे इंजीनियर और टेक्नीशियन सहित हर किसी का पसीना शामिल है। मोदी ने अपने संबोधन में बताया कि गुजरात के गिर में पांच वर्षों में शेरों की आबादी 674 से बढ़कर 891 हो गई है। उन्होंने वन्य जीव संरक्षण के लिए हमेशा जागरुक और सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने सिक्किम के डॉ. चेवांग नोरबू भूटिया की क्राफ्टेड फाइबर्स से विभिन्न उत्पाद बनाने और उत्तराखंड के हल्द्वानी के जीवन जोशी की बगेट कला का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में महिलाएं ड्रोन से 50 एकड़ जमीन पर दवा के छिड़काव का काम कर रही हैं। जिससे खेती में नई क्रांति आ रही है।

प्रधानमंत्री ने 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' को लेकर कहा कि इस बार युवाओं ने देश की विरासत से जुड़े प्रतिष्ठित स्थानों पर योग करने एवं योगा चेन का हिस्सा बनने का संकल्प लिया है। उन्होंने आयुर्वेद के क्षेत्र में हुए महत्वपूर्ण एमओयू का जिक्र करते हुए कहा कि इससे आयुष को पूरी दुनिया में वैज्ञानिक तरीके से लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान की चर्चा करते हुए माउंट मकालू पर आईटीबीपी टीम के सदस्यों द्वारा पर्वतारोहण के साथ ही 150 किलो नॉन बायोडिग्रेडेबल कचरा संग्रहण के कार्य का वर्णन किया। मोदी ने अपने संबोधन में बिहार में आयोजित हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स पर चर्चा करते हुए राजस्थान के एथलीट हंसराज सहित सभी विजेता खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही, पदक तालिका में महाराष्ट्र, हरियाणा और राजस्थान को श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मन की बात के 122वें संस्करण को सुनकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन सभी के लिए प्रेरणादायी होता है। इस कार्यक्रम के जरिए देश की विकास यात्रा में सभी को सहभागी बनने की ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स से स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिला है।

नौतपा शुरू : भट्टी सा तपेगा प्रदेश, आठ जून तक रहेगी तपिश

जयपुर। प्रचंड गर्मी का दौर नौतपा रविवार से शुरू हो गया है। है। नौतपा में सूर्यदेव रोहिणी नक्षत्र में रहेंगे। इसलिए चिलचिलाती धूप और लू का असर ज्यादा रहने की आशंका जताई जा रही है। नौतपा 25 मई से 2 जून तक रहेगा, लेकिन तपिश 8 जून तक रहेगी, क्योंकि सूर्यदेव 8 जून तक रोहिणी नक्षत्र में रहेंगे। इसलिए इस बार गर्मी ज्यादा सताएगी। ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने बताया कि 25 मई से नौतपा की शुरुआत हो रही है। सुबह करीब 9.30 बजे सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इस समय सौभाग्य और आनंद योग भी रहेगा। सूर्य 8 जून की सुबह तक रोहिणी नक्षत्र में रहेंगे। इसलिए नौतपा के बाद के छह दिन भी तेज गर्मी पड़ने की आशंका है। सूर्य घूमते हुए मध्य भारत के ऊपर आ जाता है। जून में यह कर्क रेखा के पास पहुंचता है। इस दौरान सूर्य 90 डिग्री पर होता है। इससे उसकी किरणें सीधे पृथ्वी पर पड़ती हैं। तापमान तेजी से बढ़ता है। इस बार संवत्सर के राजा और मंत्री दोनों सूर्य हैं। इससे भी गर्मी ज्यादा रहने के संकेत हैं। मंगल और राहु का मीन राशि में गोचर होने से बादल छाने की संभावना भी बनी रहेगी। 2 जून तक तेज गर्मी के साथ अंधड़ और शाम में बारिश हो सकती है।

किसान हितैषी नीतियों पर प्रदेश में किया जाएगा काम : अवाना

जयपुर। जयपुर के कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में राष्ट्रीय लोकदल राजस्थान का प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन प्रदेश अध्यक्ष जोगिन्दर सिंह अवाना की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें अवाना ने पार्टी की नीति एवं संगठन के विस्तार जैसे मुद्दों पर रणनीति पर चर्चा की। इसी दौरान अवाना ने सम्मेलन में उपस्थित कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करते हुए जोशीले अंदाज में कहा कि हमें एकजुट होकर पार्टी को प्रदेश में मजबूत करना है और तीसरी बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में स्थापित करना है।

कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अवाना ने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के ग्रामीण विकास एवं सामाजिक विकास की दूरगामी नीति को प्रदेश के हर कोने में जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा साथ ही अवाना ने कहा कि आने वाले समय में पार्टी का कार्यकर्ता मजबूती के साथ पार्टी हित में निरंतर काम करता हुआ प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक नजर आएगा तथा आगामी स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज के चुनावों में महत्वपूर्ण सहभागिता के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी भूमिका निभायेगा। इसी दौरान अवाना ने घोषणा करते हुए कहा कि आने वाली 29 मई को प्रदेश की राजधानी जयपुर में पिंक सिटी प्रेस क्लब में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि को सामाजिक न्याय एवं समरसता दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

पांच हजार महिलाओं को जोड़ दिया सरकारी योजनाओं से

जयपुर। अपने समुदाय में 5000 से अधिक महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ने और 400 से अधिक महिलाओं के सरकारी दस्तावेज बनवाने वाली 20 महिलाओं का आजाद फाउंडेशन ने सम्मान किया। किशोरियों की उच्च शिक्षा, कम उम्र में विवाह रोकने और लैंगिक समानता के लिए अपनी जिंदगी एवं समुदाय में जागरुकता फैलाने वाली पांच किशोरियों को भी सम्मानित किया गया।

- **कम उम्र में विवाह रोकने वाली 5 किशोरियां भी सम्मानित**

रविवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज ऑडिटोरियम में आजाद फाउंडेशन ने जीवन में बदलाव की यात्रा का उत्सव मनाने के लिए किशोरी उत्सव एवं परवाज नारीवादी दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। यह आयोजन समाज में किशोरियों और महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परवाज नारीवादी नेतृत्व कार्यक्रम के अंतर्गत जयपुर की 20 महिलाओं को एक वर्ष का प्रशिक्षण दिया गया, जिन्होंने अपने समुदाय में 5000 से अधिक महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ा और 400 से अधिक महिलाओं के सरकारी दस्तावेज बनवाए। इन महिलाओं को परवाज नारीवादी नेतृत्व प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार पाने वाली नलिनी फाउंडेशन की किशोरियों ने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। सभी किशोरियों को प्रशस्ति पत्र से सम्मनित किया गया। किशोरियों की उच्च शिक्षा, कम उम्र में विवाह रोकने और लैंगिक समानता के लिए अपनी जिंदगी एवं समुदाय में जागरुकता फैलाने वाली पांच किशोरियों को भी सम्मानित किया गया।

आजाद फाउंडेशन के नेशनल लीड श्रीनिवास ने बताया कि आजाद महिलाओं को गैर परंपरागत रोजगार से जोड़ने का काम करती है। आज आजाद के वीमेन विथ व्हील्स कार्यक्रम से ट्रेनिंग ली हुईं महिलाएं बस, ट्रक और ट्रेलर चला रही हैं। कुछ महिलाएं यूरोप में ड्राइवर के रूप में काम कर रही हैं। लगभग 2 लाख रुपए महीना कमा रही हैं। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) में भी 100 से अधिक महिला ड्राइवर्स हैं। हम राजस्थान सरकार के साथ एक वृहत ऐसी पार्टनरशिप चाहते हैं, ताकि राजस्थान की महिलाएं भी ट्रांसपोर्ट सेक्टर में काम कर रोजगार कमाएं और आर्थिक रूप से सशक्त हों।

आजाद फाउंडेशन के राजस्थान प्रभारी हरि शर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा जयपुर में अभी तक 3000 से अधिक किशोरियों को सहयोग किया है, जिन्होंने अपनी उच्च शिक्षा पूर्ण की है। अपने परिवार की एक मुख्य सदस्य के रूप में पहचान बनाई है। आजाद फाउंडेशन के इस प्रयास से न केवल किशोरियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है, बल्कि उन्हें अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास भी प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किशोरियों, महिलाओं और अन्य स्वयंसेवी संगठनों ने शिरकत की।

इंदिरा गांधी पंचायती राज ऑडिटोरियम में आजाद फाउंडेशन ने रविवार को ऐसी 20 महिलाओं का सम्मान किया।

एलआईसी ने 24 घंटे में सर्वाधिक पॉलिसियां बेचने का रिकॉर्ड बनाया

जयपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने 24 घंटे में सर्वाधिक जीवन बीमा पॉलिसियां बेचने के लिये गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स का खिताब हासिल किया है। जीडब्ल्यूआर द्वारा सत्यापित यह ऐतिहासिक उपलब्धि 20 जनवरी को निगम के समर्पित एजेंसी नेटवर्क के असाधारण प्रदर्शन को दर्शाती है। 20 जनवरी को भारतीय जीवन बीमा निगम के कुल 452839 अभिकर्ताओं ने पूरे भारत में 588107 जीवन बीमा पॉलिसियां सफलतापूर्वक पूर्ण करके जारी करायी। इस महत्वपूर्ण प्रयास ने 24 घंटे में जीवन बीमा उद्योग में अभिकर्ता उत्पादक के लिये एक नया वैश्विक मानक स्थापित किया है।

यह रिकॉर्ड एलआईसी के सीईओ और एमडी सिद्धार्थ महान्ति द्वारा की गई एक विचारशील पहल के प्रयास का परिणाम था, जिसमें उन्होंने प्रत्येक अभिकर्ता से "मेड मिलियन डे" यानी 20 जनवरी को कम से कम एक पॉलिसी पूरी करने की अपील की थी।

मारपीट में गंभीर घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

बीडीके अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठे परिजन और ग्रामीण

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के बिसाऊ थाना क्षेत्र के बिरमी गांव के सुभाष की जयपुर के निजी में इलाज के दौरान मौत हो गई है। सुभाष की मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना शुरू करते हुए नामजद आरोपियों को गिरफ्तार करने सहित मुआवजा और आश्रित को संविदा पर नौकरी की मांग की हैं।

धरने के बाद बीडीके अस्पताल की मोर्चरी के बाहर पुलिस जाब्ता भी तैनात किया गया हैं। मृतक सुभाष के परिजन सचिन ने बताया कि 16 मई की रात सुभाष बिरमी से रोहिड़ा स्टैंड स्थित लांबा होटल गया था। वहां तिलोका का बास निवासी मुकेश जाट अपने 3-4 साथियों के साथ मौजूद था। किसी बात को लेकर सुभाष और मुकेश के बीच कहासुनी हो गई। सुभाष वहां से घर के लिए रवाना हो गया, लेकिन कुछ ही देर बाद मुकेश जाट और उसके साथियों ने पीछा कर रास्ते में रोककर सुभाष के साथ बेरहमी से मारपीट की। गंभीर रूप से घायल सुभाष को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और बाद में जयपुर के सिद्धि विनायक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। नौ दिनों तक मौत से जूझने के बाद शनिवार को उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने मामला दर्ज करवाया था, लेकिन नौ दिन बीत जाने के बावजूद अभी तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने बीडीके अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना शुरू करते हुए हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी करने, मृतक के परिवार को 50 लाख का मुआवजा तथा आश्रित को संविदा पर नौकरी देने की मांग कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा। परिजनों का कहना है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक वे शव नहीं उठाएंगे। ग्रामीणों और परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने जानबूझकर लापरवाही बरती है। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों को सख्त सजा दिलाने की मांग की है। सोमवार को भी धरना जारी रहेगा।

सुभाष की मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना शुरू किया।

- नामजद आरोपियों को गिरफ्तार करने सहित मुआवजा और आश्रित को संविदा पर नौकरी देने की मांग की
- नौ दिनों तक मौत से जूझने के बाद पीड़ित की मौत हो गई

तीन नकाबपोश ने अचार दुकानदार पर की फायरिंग, घुटने पर लगी

भरतपुर (निस)। भरतपुर जयपुर रोड पर छौंकरवाड़ा पर सड़क किनारे अचार-मुरब्बे की दुकान लगाने वाले दो भाई देर रात दुकान बंद कर रहे थे। गल्ले से पैसे निकालकर जेब में रख लिए और सामान समेटने लगे। इसी दौरान एक बाइक पर आए 3 बदमाशों ने आते ही उन पर फायरिंग कर दी। एक भाई के घुटने के पास गोली लग गई। वारदात लूट के मकसद से की गई थी, हालांकि आरोपियों को कुछ नहीं मिला तो फरार हो गए।

घटना भरतपुर के खेड़ली मोड़ थाना इलाके में शनिवार रात 12 बजे हुई। वहीं पास में एक दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी में फायरिंग की घटना कैद हो गई। घायल दुकानदार का इलाज राजकीय आरबीएम हॉस्पिटल भरतपुर में चल रहा है। हॉस्पिटल में भर्ती देव नारायण (21) ने बताया- मैं भरतपुर जिले के छौंकरवाड़ा गांव का रहने वाला हूं। कल देर रात मैं और मेरा बड़ा भाई पवन (23) दोनों खेड़ली मोड़ में छौंकरवाड़ा चौराहे पर सड़क किनारे अपनी अचार की दुकान पर थे। हम देर रात दुकान बंद करते हैं। कल भी रात 12 बजे के करीब दुकान बंद कर रहे थे। पवन ने गल्ले से पैसे निकालकर अपनी जेब में रख लिए थे। तभी बाइक पर तीन युवक दुकान के पास आकर रुके। उनके चेहरे कपड़े से ढके हुएथे। बाइक रुकते ही सबसे पीछे बैठा युवक उतरा और उसने सीधे हम दोनों भाइयों की तरफ फायर कर दिया। बीच में बैठा युवक भी तभी उतरकर आया और वह भी फायरिंग करने लगा। एक गोली मेरे पैर में लगी। मैं एक हमलावर की तरफ झपटा। हमलावर पीछे हटा तो मैं वहां से भाग निकला। पवन ने अपने बचाव में हमलावरों की तरफ कुर्सी फेंकी। इसके बाद वह भी दुकान छोड़ भाग निकला।इसके बाद एक हमलावर दुकान पर चढ़ा और गल्ला चेक किया। लेकिन उसमे पैसे नहीं थे। वारदात के बाद तीनों हमलावर वहां से बाइक पर बैठकर फरार हो गए। हमने घटना की सूचना खेड़ली मोड़ थाना पुलिस को दी। परिवार के लोग मुझे आरबीएम अस्पताल लेकर पहुंचे। देव नारायण ने बताया- आरोपियों के चेहरे ढके हुए थे, इसलिए उनकी पहचान नहीं हो सकी। लेकिन 10 दिन पहले हमारा झगड़ा सुभाष और अनिल नाम के युवकों से हुआ था। झगड़े से बाद से वे देख लेने की धमकी दे रहे थे। शक है कि उन्होंने ही हमला कराया होगा। फिलहाल अभी पुलिस में लिखित शिकायत नहीं दी है।

खेड़ली मोड़ थाना अधिकारी राम निवास मीणा ने बताया- पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। इन तीनों पर शनिवार को महुआ (भरतपुर) में भी फायरिंग करने का शक है।

बाइक पर आए 3 नकाबपोशों ने अचार दुकानदार पर फायरिंग की जिससे वह घायल हो गया।

भक्ति में लीन हुए बटुक एवं ग्रामीण

राजसमंद, । जिले में चारभुजा के निकटवर्ती कसार में चल रहे नवनिर्मित गुरुकुल वेद विद्यालय में 15 दिवसीय वैदिक ज्ञान संस्कार शिविर के तहत शनिवार रात्रि में सादडी मारवाड के श्री रामचरितमानस परिवार भक्त मंडली द्वारा संगीत मय वादन के साथ सुंदरकांड का पाठ, हनुमान चालीसा एवं बजरंग बाण के पाठ किए गए। जहां पर गुरुकुल में वेद ज्ञान अर्जित करने आए बटुक, गुरुजन सहित स्थानीय ग्रामीणों ने भक्त मंडली के साथ संगीतमय पाठ किया तथा आनंद लिया एवं भक्ति में लीन हुए। जहां बटुक अपने आप को रोक नहीं पाए तथा झूमने का लुप्त उठाया।

- संस्कार शिविर के दौरान सुन्दर कांड पाठ का आयोजन किया

वेद विद्यालय गुरुकुल अध्यक्ष पंडित उमेश द्विवेदी एवं गुरुकुल महामंत्री पंडित जितेंद्र शर्मा ने बताया कि वेद विद्यालय पर प्रथम बार ही शिविर आयोजित हो रहा हैं। जहां ऐसी भूत-प्रेत बाधा, व्याधि, पीडा, काली एवं नकारात्मक शक्तियां दूर रहे एवं गुरुकुल सहित कस्बे के आसपास सकारात्मकता आए जहां सुंदरकांड, हनुमान चालीसा एवं बजरंग बाण पाठ भक्त मंडली द्वारा किए गए। साथ में गुरुकुल में वैदिक ज्ञान अर्जित कर रहे 35० बटुको ने भी एक साथ सुंदरकांड का पाठ किया। जहां पूरा गुरुकुल ही नहीं वरन आसपास की जगह पूरी भक्ति मय हो गई। सुंदरकांड का पाठ रात्रि 9 बजे प्रारंभ हुआ जो 3 घंटे तक चला। जहां पाठ की समाप्ति के बाद रामलला व हनुमानजी की आरती भी उतारी गई। वहीं मारवाड सादडी से आए श्री रामचरितमानस परिवार भक्त मंडली द्वारा गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण कर रहे बटुकों को देखकर अभीभूत हुए।

आज निकालेंगे तिरंगा यात्रा

बांसवाड़ा । सेना के सम्मान में आज सोमवार को निकाली जाने वाली तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर नगर पालिका सभा कक्ष में भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष एवं पूर्व पालिका अध्यक्ष रेखा जोशी की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें बताया गया कि प्रात: साढ़े आठ बजे शहीद भगत सिंह बस स्टैंड से तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी जो नगर के प्रमुख मार्गो से होती निकलेगी। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष जितेंद्र आहारी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष लीला पडियार, पूर्व पालिका अध्यक्ष ललिता सोनी, नगर मंत्री निर्मला बाग, पूर्व पालिका अध्यक्ष राघवेश चरपोटा, प्रभारी जिनेंद्र सेठिया, शेख असगर अली, शिवाजी मंच अध्यक्ष पंकज दोशी, राकेश कोठारी, केजार समिति व चेतन बैरागी आदि मौजूद रहे।

सांचौर में बीस लाख की अवैध शराब बरामद, दो गाड़ी जब्त

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सांचौर पुलिस ने रविवार को अलग-अलग टीमों द्वारा राजस्थान निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब व बीयर के कुल 140 कार्टुन को जब्त कर अवैध शराब परिवहन में एक स्कॉर्पियो एवं एक फोरचुंनर को जब्त किया। उक्त बरामदा अवैध शराब की अनुमानित बाजार कीमत 20 लाख रूपये आंकी गई।

जिले में अवैध शराब तस्करों के के विरूद्ध अभियान चलाया जाकर लगातार कार्यवाहीयां की जा रही है। सांचौर थानाधिकारी देवेन्द्रसिह के नेतृत्व में गठित टीमों द्वारा एक ही दिन में दो अलग-अलग बडी कार्यवाही को अंजाम दिया।

- अवैध राजस्थान निर्मित अंग्रेजी शराब व बीयर के कुल 83 कार्यवाही कॉर्टुन पाये गये

पुलिस को मुखबीर से प्राप्त ईतलानुसार सरहद कमालपुरा में कोशल होटल के पास स्थित शराब के ठेके के पीछे बाड़े में पहुचे तो एक काले रंग की स्कोर्पियो गाड़ी खड़ी दिखाई दी जिसके पास एक व्यक्ति खडा दिखाई दिया जो पुलिस जाब्ता को देखकर बाड़े के पीछे की दीवार से फांदकर भाग गया, वाहन की तलाशी ली गई तो स्कार्पियो वाहन में अवैध राजस्थान निर्मित अंग्रेजी शराब व बीयर के कुल 57 कॉर्टुन पाये गये जिनको जब्त किये जाकर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान शुरू किया गया है। वही दूसरी कार्यवाही में पुलिस मय जाब्ता द्वारा दौराने गश्त सरहद लाछड़ी भारतमाला पुलिया पर पहुंचे तो एक सफेद रंग की फोर्चुनर गाडी तेजगति से आती हुई दिखाई दी जो नाकाबंदी व पुलिस जाब्ते को देखकर फोरर्चुनर गाडी के चालक द्वारा उक्त गाडी को वापस मोड़कर तेजगति से भगाकर ले जाने लगा जिस पर फोरर्चुनर गाड़ी का पीछा किया तो पुलिस जाब्ता को पास आते देखकर फोरर्चुनर गाड़ी का चालक गाडी को छोडकर भाग गया जिसका पीछा किया मगर उक्त व्यक्ति कंटीली झाड़ीयो का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा एवं वाहन की तलाशी ली गई तो फोरर्चुनर वाहन में अवैध राजस्थान निर्मित अंग्रेजी शराब व बीयर के कुल 83 कार्यवाही कॉर्टुन पाये गये जिनको जब्त किये जाकर अज्ञात मुलजिम के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान शुरू किया गया है।

अभियान के दौरान लिये नमूने अनसेफ पाये गये

करौली । शुद्ध आहार मिलावट पर बार अभियान के अंतर्गत इस वर्ष में फूड सेफ्टी टीमों द्वारा 189 सैंपल लिए गए जिनमे से 101 नमूने की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है जांच रिपोर्ट अनुसार 13 नमूने सब स्टैंडर्ड एवं कंट्रावेंशन तथा 9 फर्मों के नमूने अनसेफ पाएं गये।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जयंतीलाल मीणा ने बताया कि1 जनवरी से 23 अप्रैल तक 189 नमूने विभाग द्वारा दुकानों से लिए गए जिनमें से खाद्य प्रयोगशाला भरतपुर से 101 नमूने की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है जांच रिपोर्ट अनुसार 13नमूने सब स्टैंडर्ड एवं कंट्रावेंशन तथा 9 फर्मों के नमूने अनसेफ पाएं गये। उन्होंने बताया कि अमानक पाए गए फर्मो के प्रकरण न्यायालय में पेश किए जाने वालो में चैबे जी दुग्ध डेयरी पुरानी ट्रक यूनियन करौली से पनीर का सैंपल बीकानेर मिष्ठान भंडार गंगापुर सिटी मोड करौली से घी,दिनेश चंद कैलाश चंद किराना स्टोर मुरलीपुरा भंवर विलास पैलेस के पास करौली से गुड का सैंपल,मोहन मिष्ठान भंडार स्टेट बैंक के पास चैधरी पडा करौली बेसन के लड्डू,शिव मिष्ठान भंडार शिव कॉलोनी सूरोठ का मावा,राठौर लघु गृह उद्योग भूडारा बाजार करौली से लिसोडा का अचार एवं आम का अचार,गोमती ट्रेडिंग कंपनी रोडवेज बस स्टैंड के पास हिंडौन सिटी करौली से सरसों का तेल,जिंदल मिष्ठान भंडार मेंन मार्केट नादोती से पनीर, बोलोरो वाहन से मिल्क केक का सैंपल अमानक पाया है।

कन्याओं को कराया मीठा भोजन

बांसवाड़ा । शहर की वाडिया कॉलोनी स्थित प्रभु बा के त्रिपुर आश्रम में साधको ने प्रभु बा के जन्मदिवस पर सत्संग एवं आरती की। त्रिपुर आश्रम के जयप्रकाश पाठक एवं कल्पेश मेहता ने बताया कि बा के जन्मोत्सव पर साधको ने गुरु पादुका पूजन, सामूहिक करुणात्रिपदी के पाठ, सत्संग के पश्चात गुरु आरती का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि त्रिपुर आश्रम की ओर से ओडीच्यवाड़ा स्थित आश्रय सेवा संस्थान द्वारा संचालित मां उमा बालिका गृह में बालिकाओं को मीठा भोजन कराया गया। इस अवसर पर बालिकाओं को प्रतिदिन कम से कम एक नेक कार्य करने एवं सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प दिलाया गया।

बदमाशों ने मन्दिर के ताले तोड़े

टोंक । लांबाहरिसिंह पुलिस थाने क्षैत्र स्थित बाबा रामदेव मंदिर में शनिवार मध्य रात को चोरों ने मंदिर परिसर के भंडार कक्ष में ताला तोड़ कर सामान बखैर दिया तथा मंदिर के पास कुटिया में सो रहे वृद्ध रतन जाट से चोरों ने दान पात्र की चाबी मांगी, जिस पर वृद्ध द्वारा मना करने पर चोरों ने उसे मारा-पीटा और उसकी जेब में रखे पांच हजार रुपए लूट लिए।

वही लाम्बाहरिसिंह थाना प्रभारी राजकुमार बिरला का कहना है कि मंदिर की अलमारी और पड़ोस में रहने वाले वृद्ध के साथ अलमारी की चाबी नहीं देने पर मारपीट करने की सूचना मिलने पर पुलिस घटना स्थल पर पंहुची तथा जांच में कोई भी रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

इसी प्रकार शुक्रवार रात को मोरला रोड पर घर के बाहर सो रहे कानाराम माली की जेब से पांच हजार रुपए निकाल कर चोर ले गए, इसके पड़ोसी पप्पू प्रजापत के मकान में दो अज्ञात चोर घुस गए, लेकिन जाग हो जाने से चोर मोटरसाइकिल से भाग छूटे। वहीं कस्बे के दिगंबर जैन मंदिर के सामने श्याम सुंदर सोनी की अल्टो गाड़ी से पेट्रोल चुरा लिया, कुछ दिनों पूर्व नगर पालिका भवन के बाहर विधवा महिला सुनीता गाड़िया लोहार शादी में जाने के बाद उसके घर के गेट का ताला तोड़कर कुछ नगद सहित चांदी के जेवर चुरा ले गए।

समाज हित में आदिवासी समुदाय एक मंच पर

बांसवाड़ा। राजस्थान आदिवासी महासमिति की ओर से बेणका धाम पर आयोजित 11वें स्थापना दिवस महासम्मेलन में आदिवासी समुदाय के विभिनन मुद्दों को लेकर सभी राजनैतिक दलों के जनप्रतिनिधि एक मंच पर नजर आये।

इस अवसर पर सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि सभी राजनैतिक दलों के जनप्रतिनिधियों का एक मंच पर आना ऐतिहासिक कदम है वहीं अधिकांश वक्ताओं ने कहा कि राजनैतिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन समाज हित में सभी के समाज की जाजम पर आना इस क्षेत्र के विकास के लिये दूरगामी कदम साबित होगा। इस अवसर पर जनजाति मंत्री बाबूलाल कटारा, सांसद राजकुमार रोत एवं जनप्रतिनिधियों ने तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे। जिसमें महाराणा प्रताप के साथ हल्दी घाटी की लड़ाई में मुख्य भूमिका निभाने वाले भीलू राणा, पूजा हॉलकी भील जिन्हें तथाकथित संगठन राणा पूंजा भील को भील नहीं बताकर भील समुदाय को अपमानित करने और गौरवशाली इतिहास के साथ छेडछाड़ी कर रहे है उनके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने, आदिवासी महाकुंभ बेणका टापू पर आदिवासियों के लिये जमीन आरक्षित करने, मंदिर के पुजारियों को राज्य सरकार ने साढ़े सात हजार रूपये मानदेय देने का प्रावधान रखा है उसी तर्ज पर आदिवासी समुदाय के धाम-धूणी, थानक के गादीपति, मेट कोटवाल, वाण व पुजारियों को भी मानदेय देने, षड्यंत्र या अज्ञानतावश भील समुदाय के कुछ लोगों का सरनेम मीणा हो गया है उन्हें पुनः शुद्धिकरण कर भील करने के आदेश जारी करवाने के प्रस्ताव प्रमुख है। इस अवसर पर आदिवासी समाज से जुडे महत्वपूर्ण मुद्दो पर मंथन किया गया जिसमें समाज में व्याप्त रूढ़ी प्रथाओं और सामाजिक कुरूतियों को समाप्त करने, ऐतिहासिक अनुभवों, समृद्ध संस्कृति व विरासत के संरक्षण, शराब के ठेकों पर प्रतिबंध लगाने, प्रत्येक ब्लॉक में नि:शुल्क शिक्षा आदि का प्रस्ताव भी पास किया गया।

बागीदौरा विधायक को बर्खास्त करने की मांग

बांसवाड़ा । भाजपा छोटी सरवन मंडल के प्रतिनिधि मंडल ने बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल को बर्खास्त करने की मांग को लेकर राज्यपाल एवं विधानसभा अध्यक्ष को ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन में बताया गया कि बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल को 20 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए एसीबी ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। इन लोगों ने बताया कि विधानसभा में पहली बार इस तरह के प्रकरण से वागड़ क्षेत्र की छवी धूमिल की है अत: ऐसे भ्रष्ट विधायक को बर्खास्त किया जाये। मंडल अध्यक्ष गौरी शंकर मईडा की अध्यक्षता, पूर्व मंत्री धनसिंह रावत के मुख्य आतिथ्य तथा पूर्व मंत्री दलीचंद मईडा के विशिष्ट आतिथ्य में हुई बैठक में भी युवाओं ने बागीदौरा विधायक की बर्खास्तगी के लिये आवाज बुलंद की। बैठक में मण्डल संयोजक, पूर्व प्रधान जिला परिषद सदस्य राजेश प्रधान, पूर्व प्रधान धीरजमल गणावा, एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष परमेश्वर मईडा, सह संयोजक संजय माहेश्वरी, महामंत्री ऋतुराज मोरी, उपाध्यक्ष परतु सिंह निनामा, नीलम भाटिया, लालू राणा, प्रेमसिंह निनामा, मनसुख मईडा, रमेश मईडा, शंकरलाल मईडा, नारायण निनामा, नारायण मईडा, मकनलाल डिंडोर, देवीसिंह मईडा, सोहनलाल मईडा, कैलाश, सुरेश कटारा, जगदीश कटारा, ईश्वरलाल कलाल, लालू भाई सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

70 यूनिट रक्त एकत्रित

भीम । विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कुकरखेड़ा मण्डल द्वारा विधायक हरिसिंह रावत के जन्मदिवस के उपलक्ष में विशाल रक्दान शिविर राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पीपलीनगर में रविवार को आयोजित किया गया शिविर मे लगभग 70 रक्तदाताओं ने भाग लिया इस दोरान कुकरखेड़ा मंडल अध्यक्ष नारायण सिंह ,उपाध्यक्ष श्रवणसिंह ,भीम प्रधान बिरमसिंह , जिला परिषद सदस्य नरेंद्र बागडी, मण्डल महामंत्री विक्रमसिंह , दिवेर मंडल अध्यक्ष यसवंत सिंह , जीरन प्रशासक चंद्रभान सिंह गोविन्दसिंह कुशलपुरा, पंचायत समिति सदस्य नारायण सिंह हमीर सिंह, सत्येन्द्रपाल सिंह बरार आदि मौजूद थे।

अवैध खनन के खिलाफ रालोद के कार्यकर्ताओं का जोरदार प्रदर्शन

रूपवास भरतपुर (निस)। बयाना क्षेत्र में तेजी से फैलते अवैध खनन के खिलाफ राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शनं किया। यह विरोध गांव सालाबाद में राष्ट्रीय सचिव सुरेन्द्र कसाना के नेतृत्व में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

सुरेन्द्र कसाना ने बताया कि बंशी पहाड़पुर और बंध बारैठा क्षेत्र की पहाड़ियाँ अवैध खनन माफियाओं की लापरवाही का शिकार हो रही हैं। पहाड़ों से पत्थरों का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है, जिससे न केवल स्थानीय पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है, बल्कि जल स्रोतों, जैव विविधता और वन्य जीवन पर भी खतरा मंडरा रहा है।

उन्होंने कहा कि माफिया ट्रेको और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के जरिए बड़े-बड़े पत्थरों की ढुलाई कर बयाना स्थित रीको औद्योगिक क्षेत्र में इन्हें बेचा जा रहा है। खनिज और वन विभाग के साथ-साथ स्थानीय पुलिस प्रशासन की चुप्पी इस अवैध कारोबार में मिलीभगत की ओर इशारा करती है।

पर्यावरणीय खतरे और प्रशासनिक चुप्पी : विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार का अवैध खनन न केवल भौगोलिक असंतुलन पैदा करता है बल्कि बारिश के पानी के संग्रहण, भूजल स्तर और जंगलों के प्राकृतिक तंत्र को भी नुकसान पहुंचाता है। बयाना क्षेत्र के पहाड़ी इलाकों में हो रहा यह खनन लंबे समय तक जारी रहा तो इसके दुष्परिणाम दूरगामी होंगे।

मुख्यमंत्री को ज्ञापन, जन आंदोलन की चेतावनी : गौरतलब है कि 23 मई को रालोद ने बयाना एसडीएम दीपक मित्तल को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें अवैध खनन की तत्काल रोकथाम और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई। कसाना ने चेतावनी दी कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो राष्ट्रीय लोकदल जन आंदोलन शुरू करेगा।

खनन माफिया में मचा हड़कंप, कार्यवाही की उम्मीद : लगातार बढ़ते जन विरोध के चलते अब खनन माफियाओं में हलचल तेज हो गई है। भरतपुर जिला कलेक्टर सहित अन्य विभागीय अधिकारियों को भी ज्ञापन की प्रतिलिपि भेजी गई है, जिससे अवैध खनन पर कार्रवाई की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

बयाना रूपवास क्षेत्र की जनता अब इस अवैध खनन के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठा रही है। प्रशासन को चाहिए कि समय रहते इस गंभीर मुद्दे पर संज्ञान ले, ताकि पर्यावरण, जन स्वास्थ्य और सामाजिक ताने-बाने को और अधिक नुकसान न पहुंचे।

भरतपुर जिले के बयाना रूपवास क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ राष्ट्रीय लोकदल का विरोध प्रदर्शन किया।

सर्व सनातन हिंदू जनजाति समाज की ओर से होंगे धार्मिक अनुष्ठान

बांसवाड़ा । सामरिया, प्रतापनगर, गाऊवा, बारह पाडा सर्व सनातन हिंदू जनजाति समाज की ओर से आगामी 5 से 7 जून तक आयोजित होने वाले विशाल धार्मिक अनुष्ठान 151 कुंडिय श्री रुद्र महायज्ञ एवं श्री भुवनेश्वर महादेव, हनुमान, सामदा माताजी मंदिर के शिखर, मूर्ति कीर्ति स्तंभ, ध्वजदण्ड, घंटा, गदा, श्रीयंत्र, श्रृंगार व महापूजा प्रतिष्ठा में उत्साह के साथ हिंदू आदिवासी समाज बडी संख्या में यजमान बनकर धार्मिक अनुष्ठान में बढ चढकर भाग ले रहे हे।

आयोजन के संरक्षक संयोजक डॉ.स्वामी विवेकानंद महाराज बड़ोदिया ने बताया कि संत मावजी महाराज के आशीर्वाद, भक्ति आंदोलन के संवाहक गोविंद गुरु महाराज की प्रेरणा और मामा बालेश्वर दयाल द्वारा जगाई सनातन हिंदू धर्म, संस्कृति की अलख ओर अनुकम्पा से पांडवों की भ्रमण स्थली सामरिया गांव में धर्म ध्वजा की पताका लहराते हुए सम्पूर्ण अनुष्ठान हिंदू आदिवासी समाज की ओर से किया जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष बापूलाल मईडा ने बताया कि भुवनेश्वर महादेव मंदिर के मुख्य शिखर के यजमान महेंद्र भगोरा, मंडप शिखर 1 मणिलाल डोडियार, मंडप शिखर 2 कांतिलाल रावत, कीर्ति स्तंभ बापूलाल मईडा, ध्वज दंड मोहनलाल हाडा, पार्वती माता मूर्ति नंदलाल भगोरा, गणपति मूर्ति दिलीप मईडा, कार्तिकेय मूर्ति विजयपाल डोडियार, नंदी महाराज सीता शांतिलाल मईडा, कच्छप देव मूर्ति नारायण मईडा, घंटा स्थापना सतीश पारगी, रुद्र राजोपचार पूजा लालूराम मईडा हनुमान मंदिर के मुख्य शिखर के यजमान रमेश मईडा, कीर्ति स्तंभ व ध्वज दंड भूरालाल मईडा, अभिषेक, वागा, महापूजा मोतीलाल डोडियार, घंटा स्थापना मानसिंह मईडा, गदा स्थापना भीमसिंह सुरावत सामदा माताजी मंदिर के मुख्य शिखर के यजमान भाणुनाथ मकवाना, सामदा माताजी मूर्ति लालशंकर मईडा, कीर्ति स्तंभ एवं ध्वज दंड गोविंद गणावा, भैरवजी मूर्ति मणिलाल हाडा, श्री यंत्र स्थापना कालूराम मईडा, श्रृंगार व महापूजा विनोद मकवाना, घंटा स्थापना सुनील सारेल रहेंगे।

मुझे लगता है कि हमने पावरप्ले में ही मैच गंवा दिया था। उसके बाद हमारी टीम वापसी नहीं कर पाई। दबाव वाली परिस्थितियों में हमे शांत रहना चाहिए था लेकिन आज के मैच में हम ऐसा नहीं कर पाए।

- शुभमन गिल

गुजरात टाइटंस के कप्तान, चेन्नई सुपर किंग से मिली हार पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

कुश मैनी

भारतीय रेसर कुश मैनी ने इतिहास रच दिया है। दरअसल,कुश ने मोनाको ग्रां प्री जैसी दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण और प्रतिष्ठित रेस में पहली बार एक भारतीय ने जीत का परचम लहराया है। कुश मैनी ने फॉर्मूला 2 की स्प्रिंट रेस में बेहतरीन ड्राइविंग करते हुए इतिहास रच दिया। शुरुआत से लेकर आखिरी लैप तक उन्होंने अपनी बढ़त बनाए रखी और जीत दर्ज की। ये पल सिर्फ उनके लिए नहीं बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का पल बना। कुश की ये जीत ये साबित करती है कि अब भारतीय रेसर्स भी इंटरनेशनल मोटरस्पोर्ट्स में अपनी छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

क्या आप जानते हैं ?... पंजाब किंग्स 31 बार आईपीएल में 200 प्लस का टोटल बना चुकी है। मुंबई इंडियंस ने 29 बार इस कारनामे को अंजाम दिया है।

विजय के 81 रन नाबाद तथा देवांग की शानदार गेंदबाजी से जी.आर. एकेडमी की जीत

जयपुर, 25 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज जी.आर. क्रिकेट ग्राउण्ड, सिरसी ग्राम, जयपुर पर खेले गये पूल-सी के मैच में विजय सिंह मीणा 81 रन नाबाद की शानदार पारी तथा देवांग स्वामी 43 रन पर 4 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत जी. आर. क्रिकेट एकेडमी ने संस्कार क्रिकेट एकेडमी को 14 रन से हराकर महत्वपूर्ण 2 अंक अर्जित किये।

सॉफ्ट हॉकी के खिलाड़ियों का सम्मान

जयपुर, 25 मई। एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया की कार्यकारिणी की जनरल बॉडी मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमे फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष पंत ने बताया कि 27 मई को शाम 6 बजे कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान'', विधानसभा के पास एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सॉफ्ट हॉकी खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह की मुख्य अतिथि राजस्थान की उपमुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी होंगी। विशिष्ट अतिथियों में सांसद जयपुर शहर मंजू शर्मा और महापौर नगर निगम हेरिटेज कुसुम यादव शामिल होंगी। इस जनरल बॉडी मीटिंग में विशेष रूप से आमंत्रित सदस्य विकास गोठवाल और आकाश गोठवाल थे। फेडरेशन के महासचिव रमेश सिंह ने बताया कि इस अवार्ड समारोह में कई अर्जुन अवॉर्डी पदमश्री, कारपोरेट जगत के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित होंगे।

यूनियन क्रिकेट क्लब ने स्टार क्रिकेट एकेडमी को हराया

जयपुर, 25 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के नॉक आउट मुकाबले में आज के एल सैनी स्टेडियम पर तीसरे क्वार्टर फाइनल मैच में यूनियन क्रिकेट क्लब ने स्टार क्रिकेट एकेडमी को 11 रनों से हराकर सेमी फाइनल में प्रवेश किया। यूनियन क्रिकेट क्लब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए देव प्रताप के 67 रन, आदित्य टांक के 44 रन, निकेत कुमार के 16 रन, स्नेहिल शर्मा के 16 रन व लोकेश शर्मा के 16 रनों से 22 ओवर में 7 विकेट पर 191 रन बनाए। स्टार क्रिकेट एकेडमी के लिए हिमांक झालानी ने 32 पर 3, अथर्व सिंह ने 23 पर 2, रौनक सैनी ने 37 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी में स्टार क्रिकेट एकेडमी की टीम ऋतिक सारण के 49 रन, प्रणव के 18 रन, अनिकेत श्रीवास्तव के 19 रन व कारण सिंह के 44 रन नाबाद से 22 ओवर में 7 विकेट पर 180 रन ही बना सकी। यूनियन क्रिकेट क्लब के लिए दीपक चौधरी ने 39 पर 2, देवराज सैनी ने 42 पर 2, लोकेश शर्मा व आतिफ खान ने एक - एक विकेट लिया। चौथा क्वॉर्टर फाइनल मैच श्री भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल व डायमंड क्रिकेट क्लब के मध्य खेला जाएगा।

74वीं राजस्थान सीनियर तैराकी प्रतियोगिता का उद्घाटन

जयपुर, 25 मई। रविवार को विद्याश्रम स्कूल के तरणताल पर श्रीमती प्रीति सांगवान, प्राचार्य विद्याश्रम स्कूल के करकमलो से सम्पन्न हुआ। अनिल व्यास अध्यक्ष राजस्थान तैराकी संघ ने अतिथियों का स्वागत किया। व्यास ने बताया कि प्रदेश के 15 जिलो से लगभग 125 बालक/बालिकायें भाग ले रहे हैं। समारोह में युग चेलानी को गत वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर 4 गुणा 100 आई0एम0 में स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर संघ की ओर से एक लाख का चेक प्रदान किया गया। चेलानी ने वर्ष 2023 में जूनियर वर्ग में पांच स्वर्ण पदक जीत कर राष्ट्रीय स्तर पर व्यक्तिगत चेम्पीयन बने थे। आज प्रथम दिन 02 नये कीर्तिमान स्थापित किया गये। रितिका खाटा ने 200 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रॉक में 02:58:33 समय देकर वर्ष 2018 में स्थापित सुश्री वैभवी 03:00:00 के रिकार्ड को नया बनाया। साथ ही जयपुर के कृष्णादित्य सिंह ने 50 मीटर बेक स्ट्रॉक में 00:28:80 समय निकालकर नया कीर्तिमान बनाया।

आरसीए एड-हॉक कमेटी फंसी भ्रष्टाचार के मकड़जाल में, धर्मवीर सिंह के मीटिंग में आने पर हंगामा

पाली की मान्यता ही समाप्त हो चुकी है तो धर्मवीर सिंह को मीटिंग में कैसे शामिल किया जा सकता है : बिहाणी

जयपुर, 25 मई। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एडहॉक कमेटी के कन्वीनर जयदीप बिहाणी द्वारा के एल सैनी स्टेडियम पर बुलाई गई एडहॉक कमेटी की बैठक मेंराजस्थान क्रिकेट की भलाई को लेकर कोई भी निर्णय हो पाया। एडहॉक कमेटी की मीटिंग में बिहाणी और चार सदस्यों के विरोधी गुट का नेतृत्व कर रहे धनंजय सिंह, रतन सिंह, हरीशचंद्र सिंह और धर्मवीर सिंह के बीच आरोप-प्रत्यारोप के दौर ही चलते रहे। इसी कारण बिहाणी ने मीटिंग को स्थगित कर दिया।

इस दौरान आरसीए एड-हॉक कमेटी सदस्य धर्मवीर सिंह एवं विमल शर्मा पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया गया। ये कमेटी 3 दिनों में अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

जयपुर के केएल सैनी स्टेडियम में आयोजित की गई एड-हॉक कमेटी की मीटिंग को लेकर सुबह से ही गर्मा-गर्मी का माहौल था। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में बुलाई गई मीटिंग मेंकमेटी के कन्वीनर जयदीप बिहाणी सहित सभी 6 सदस्य विमल शर्मा, धनंजय सिंह, धर्मवीर सिंह, रतन सिंह, हरिशचंद्र सिंह पहुंचे। इस पर बिहाणी ने धर्मवीर सिंह के मिटिंग में आने पर आपत्ति जता दी। उनका कहना था कि पाली जिला क्रिकेट संघ की मान्यता समाप्त कर दी गई है। 20 मई को पत्र जारी करके पाली जिला क्रिकेट संघ के चुनाव और वित्तीय गड़बड़ियों के संबंध में जानकारी नहीं देने और जांच में सहयोग नहीं करने के चलते एडहॉक कमेटी ने पाली जिला क्रिकेट संघ की मान्यता को रद्द किया था।धर्मवीर सिंह पाली के ही सचिव हैं, तो जब उनके संघ की मान्यता ही समाप्त हो चुकी है तो वो मीटिंग में नहीं बैठ सकते हैं। इस पर धनंजय सिंह और धर्मवीर सिंह ने आपत्ति जताते हुए कहा कि कमेटी संयोजक को किसी जिला संघ की मान्यता रद्द करने का अधिकार ही नहीं है। लिहाजा धर्मवीर सिंह को मीटिंग में शामिल होने की इजाजत दी जाए। इस पर दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करते रहे। कोई नतीजा नहीं निकलने परकमेटी के कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने मीटिंग को स्थगित कर दिया।

विमल शर्मा की मांग पर भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यों की कमेटी गठित : मीटिंग के दौरान ही कमेटी सदस्यों पर भ्रष्टाचार के आरोपों का मामला उठा। गौरतलब है कि आरसीए के ही एक फूड कैटरर ने पहले कमेटी सदस्य धर्मवीर सिंह पर 5 लाख रूपए की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। इसके बाद उसी व्यक्ति ने एक वीडियो जारी कर जैसलमेर जिला क्रिकेट संघ के सचिव विमल शर्मा पर पैसे मांगने का आरोप जड़ दिया। इसके बाद विमल शर्मा ने कमेटी संयोजक से मांग की थी कि प्रकरण की जांच करवाई जाए। इस पर अब मीटिंग के दौरान ही तीन सदस्यीय जांच कमेटी का गठन कर दिया गया है।तीन दिनों में ये कमेटी इस मामले की जांचकर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। कमेटी में टोंक जिला क्रिकेट संघ के सचिव विवेक व्यास, जालोर क्रिकेट संघ के सचिव सतीश व्यास और डूंगरपुर क्रिकेट संघ के सचिव सुशील जैन को शामिल किया गया है।

हम तो चाहते थे कि राजस्थान क्रिकेट ओर खिलाड़ियों पर बातचीत हो लेकिन कन्वीनर जयदीप बिहाणी अपनी मनमानी करना चाह रहे हैं। कमेटी में बहुमत से ही फैसले किए जाएं। क्रिकेट में राजनीति नहीं करनी चाहिए।

- धनंजय सिंह, सदस्य, एड-हॉक कमेटी, आरसीए

पहले धर्मवीर सिंह पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, फिर मुझ पर लगा दिए। इसके बाद मैने ही कन्वीनर को कहा था कि मामले की जांच करवाओ, ताकि पूरे मामले का खुलासा हो सके।

-विमल शर्मा, सदस्य, एड-हॉक कमेटी, आरसीए

धर्म के आधार पर टारगेट बनाकर क्रिकेट में राजनीति कर रहे हैं। फोटो के आधार पर कांग्रेसी साबित करने में जुटे हैं।

- धर्मवीर सिंह, सदस्य, एड-हॉक कमेटी, आरसीए

सनराइजर्स हैदराबाद ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 110 रनों से हराया

नई दिल्ली, 25 मई। हाइनरिक क्लासन (नाबाद 105) की शतकीय और ट्रैविस हेड (76) रनों की अर्धशतकीय पारियों के बाद हर्ष दुबे, जयदेव उनादकट और इशान मलिंगा (तीन-तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत सनराइजर्स हैदरबाद ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग के 68वें मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स को 110 रनों से हरा दिया। सनराइजर्स हैदराबाद ने जीत के साथ अपने अभियान का अंत किया है। इस मैच में जीत के हीरे हाइनरिक क्लासन रहे। उन्होंने शतकीय पारी खेली और वह आईपीएल के इतिहास में संयुक्त तौर पर तीसरा सबसे तेज शतक बनाने वाले बल्लेबाज बने।

आज यहां सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड की सलामी जोड़ी ने तूफानी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 92 रन जोड़े।

सातवें ओवर में सुनील नारायण ने अभिषेक शर्मा को रिंकू के हाथों कैच आउटकरा कर कोलकाता को पहली सफलता दिलाई। अभिषेक शर्मा ने 16 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (32) रनों की पारी खेली। 13वें ओवर में सुनील नारायण ने ट्रेविस हेड को आउटकर हैदराबाद को दूसरा झटका दिया। ट्रेविस हेड ने 40 गेंदों में छह चौके और छह छक्के लगाते हुए (76) रन बनाये। 19वें ओवर में वैभव अरोड़ा ने इशान किशन (29) को आउट किया। हाइनरिक क्लासन ने 37 गेंदों में नौ छक्के और छह चौके लगाते हुए अपना शतक पूरा किया। क्लासन का यह आईपीएल का तीसरा शतक है। उन्होंने 39 गेंदों में (नाबाद 105) रनों की पारी खेली। अनिकेत वर्मा (12)रन बनाकर नाबाद रहे। सनराइजर्स हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट पर 279 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह हैदराबाद द्वारा इस सत्र में बनाया गया दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से सुनील नारायण ने दो विकेट लिये। वैभव अरोड़ा को एक विकेट मिला।

280रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए क्विंटन डी कॉक और सुनील नारायण की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 37 रन जोड़े। चौथे ओवर में उनादकट ने सुनील नारायण 16 गेंदों में (31) रन को आउट कर कोलकाता को पहला झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान अजिंक्या रहाणे आठ गेंदों में (15) रन उनादकट का दूसरा शिकार बने। 70 के स्कोर तक कोलकाता ने अपने पांच विकेट गवां दिये थे। क्विंटन डी कॉक (तीन) को मलिंगा ने आउट किया। हैदराबाद के गेंदबाजी आक्रमण के आगे कोलकाता के बल्लेबाजों अधिक देर तक नहीं टिक सके। रिंकू सिंह (नौ) को हर्ष दुबे ने आउट किया। कोलकाता का छठा विकेट अंगकृष रघुवंशी (14) रन के रूप में गिरा। वह मलिंगा का दूसरा शिकार बने। रमनदीप सिंह (13) को हर्ष दुबे ने बोल्ड आउट किया।

मनीष पांडे और हर्षित राणा ने कुछ संघर्ष दिखा। 18वें ओवर में उनादकट ने मनीष पांडे 23 गेंदों में (37) को आउट कर हैदराबाद को बड़ी सफलता दिलाई। वैभव अरोड़ा (शून्य) रनआउट हुये। 19वें ओवर की चौथी गेंद पर इशान मलिंगा ने हर्षित राणा 21 गेंदों में (34) रन को आउटकर कोलकाता की पारी का 168 के स्कोर पर अंत कर मुकाबला 110 रनों से जीत लिया। हैदराबाद की ओर से हर्ष दुबे, इशान मलिंगा और जयदेव उनादकट ने तीन-तीन विकेट लिये।

चेन्नई सुपर किंग्स ने गुजरात टाइटंस को 83 रनों से हराया

अहमदाबाद, 25 मई। डेवाल्ड ब्रेविस (57) और डेवन कॉन्वे (52) रनों की शानदार अर्धशतकीय पारियों के बाद अंशुल काम्बोज और नूर अहमद (तीन-तीन) विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 67वें मैच में गुजरात टाइटंस को 83 रनों से हरा दिया।

आज यहां चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई के लिए डेवन कॉन्वे और आयुष म्हात्रे की सलामी ने पहले विकेट लिए 44 रन जोड़े। चौथे ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने 17 गेंदों में 34 रन आयुष म्हात्रे को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये उर्विल पटेल ने डेवन कॉन्वे के साथ दूसरे विकेट लिए 63 रन जोड़े। 10वें ओवर में साई किशोर ने उर्विल पटेल 19 गेंदों में 37 रन को आउट किया। शाहरूख खान ने ने शिवम दूबे (17) रन को अपना शिकार बनाया। 14वें ओवर में राशिद खान ने डेवन कॉन्वे को बोल्ड कर चेन्नई को चेन्नई को चौथा झटका दिया। डेवन कॉन्वे ने 35 गेंदों छह चौके और दो छक्के लगाते हुए (52) रनों की पारी खेली। चेन्नई सुपर किंग्स ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 230 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा ने डेवाल्ड ब्रेविस को आउट किया। डेवाल्ड ब्रेविस ने 23 गेंदों में पांच छक्के और चार चौकों की मदद से (57) रन बनाये। रवींद्र जडेजा 18 गेंदों में (21) रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात टाइटंस की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिये। राशिद खान, साई किशोर और शाहरुख खान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इंग्लैंड पहुंचे इंडिया-ए के खिलाड़ी, इंग्लैंड लायंस के खिलाफ खेलेंगे सीरीज

नई दिल्ली, 25 मई। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए अभिमन्यु ईश्वरन के नेतृत्व वाली इंडिया ए टीम रविवार को इंग्लैंड पहुंच गई है। सीरीज की शुरुआत 30 मई को कैंटरबरी में होगी जबकि दूसरा मैच 6 जून से नॉर्थम्पटन में खेला जाएगा। भारत की इंग्लैंड में पांच टेस्ट की सीरीज से पहले लाल गेंद के ये दो मैच खेले जाएंगे। इस दौरे पर इंडिया ए टीम दौरे पर इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैच और भारतीय सीनियर टीम के साथ एक इंट्रा स्क्वॉड मैच भी खेलना है। वहीं तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने ऋतुराज गायकवाड़, तनुष कोटियन ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल और कप्तान अभिमन्यु के साथ एक तस्वीर शेयर की। जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा कि, वर्क क्रू। टीम का नेतृत्व अभिमन्यु ईश्वरन करेंगे जो बंगाल के लिए घरेलू क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने 101 प्रथम श्रेणी मैचों में 48.87 की औसत से 7,674 रन, 27 शतक और 29 अर्धशतक बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल उन्होंने खराब प्रदर्शन किया था।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चिली को 2-1 से हराया

रोसारियो (अर्जेंटीना), 25 मई। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने रविवार को चार देशों के टूर्नामेंट में चिली पर 2-1 से जीत दर्ज करते हुए अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। आज यहां खेले गये मुकाबले में भारतीय महिला टीम के लिए सुखवीर कौर ने (39वें) और कनिका सिवाच ने (58वें) मिनट में गोल किए। वहीं चिली की ओर से एकमात्र गोल जावेरिया सेंज ने (20वें)मिनट में गोल दागा। मैच के दूसरे हॉफ में चिली की जावेरिया सेंज ने 20वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई।

प्लेऑफ से पहले पंजाब किंग्स को बड़ा झटका, युजवेंद्र चहल हुए चोटिल

जयपुर, 25 मई। पंजाब किंग्स के स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल ने चोट के कारण दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में हिस्सा नहीं लिया था। इसकी जानकारी पंजाब के सहायक कोच सुनील जोशी ने दी। चहल की गैरमौजूदगी में पंजाब को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार झेलनी पड़ी।पंजाब किंग्स को शनिवार को जयपुर में दिल्ली कैपिटल्स के हाथों 6 विकेट से शिकस्त सहनी पड़ी। इस मैच में पंजाब को चहल की कमी साफ खली। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में जोशी ने खुलासा किया की 34 साला के चहल ने दर्द के कारण आराम दिया।

सहायक कोच ने ये भी बताने से परहेज नहीं कि चहल की चोट कितनी गंभीर है, लेकिन मैदान पर साफ दिखा कि चहल के बिना पंजाब का स्पिन विभावग कमजोर था। सुनील जोशी ने कहा कि, युजवेंद्र चहल को थोड़ा दर्द है। इसलिए हमने उन्हें आराम कराया। यही आइडिया था।

वहीं चहल के रिप्लेसमेंट के तौर पर प्रवीण दुबे को टीम में जगह मिली। लेकिन ये 31 साल का गेंदबाज कोई कमाल नहीं दिखा पाया और 2 ओवर में 20 रन खर्च कर दिए।

वहीं पंजाब किंग्स को अपना आखिरी लीग मैच सोमवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलना है। अगर पंजाब जीतता है और अन्य मैचों के नतीजे उसके लिए पक्षधर रहे तो वो टॉप-2 में रहते हुए प्लेऑफ खेलने जाने में सफल होगा।

संन्यास पर सोचने के लिए मेरे पास अभी बहुत समय हैः धोनी

अहमदाबाद, 25 मई। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने आज कहा कि संन्यास पर सोचने के लिए मेरे पास अभी बहुत समय है। आज यहां इंडियन प्रीमियर लीग में अपने आखिरी मैच में गुजरात टाइटंस को 83 रनों से शिकस्त देने के बाद संवाददाता सम्मेलन में धोनी कहा कि हमारा सत्र अच्छा नहीं गया। इस सत्र में हमारा क्षेत्ररक्षण भी अच्छा नहीं रहा।

उन्होंने कहा कि आज के मैच में हमने परफेक्ट प्रदर्शन किया और हमारा क्षेत्ररक्षण भी अच्छा रहा। हमने कई अच्छे कैच पकड़े हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मेरे पास फैसला लेने के लिए चार पांच महीने हैं, कोई जल्दबाजी नहीं है। शरीर को फिट रखना जरूरी है। अब रांची जाऊंगा, थोड़ी बाइक राइड्स का आनंद उठाऊंगा। मैं ये नहीं कह रहा कि मैं अब रिटायर हो रहा हूं, और ये भी नहीं कह रहा कि मैं वापस आ रहा हूं। मेरे पास काफी समय है। सोचूंगा और फिर उसके बाद निर्णय लूंगा।

आरसीए सीनियर कॉल्विन शील्ड 7 जून से व महिला कंडीशनिंग शिविर जून माह में आयोजित होगा

जयपुर, 25 मई। राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा क्रिकेट सीजन 2025 - 26 को देखते हुए जून महीने में सीनियर कॉल्विन शील्ड का आयोजन करेगा व इस सम्बन्ध में सभी जिला संघो को कॉल्विन शील्ड के ड्रा सहित प्रतियोगिता में भाग लेने के सम्बन्ध में सूचित कर दिया गया है।जून महीने में ही राजस्थान महिला कंडीशनिंग कैम्प का भी आयोजन किया जायेगा.

आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने बताया कि राजस्थान क्रिकेट संघ तदर्थ कार्यकारी समिति की बैठक दिनांक 30 जनवरी, 2025 एवं 23 फरवरी, 2025 में लिये गये निर्णय के अनुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा घरेलु क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रारम्भ किया जा रहा है।

सत्र 2025-26 की शुरूआत में आरसीए द्वारा 7 जून, 2025 से राजस्थान सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता (कॉल्विन शील्ड) 2025-26 आयोजित की जा रही है।

जयदीप बिहाणी के अनुसार प्रतियोगिता का आयोजन एलीट एवं प्लेट ग्रुप के आधार पर बीसीसीआई के नियमो के आधार पर आयोजित की जावेगी। प्रत्येक जिला संघ को अधिकतम 20 नये खिलाडियों के दस्तावेजो की अपने स्तर पर जांच कर ऑन लाइन टूर्नामेंट स्पेसिफिक रजिस्ट्रेशन 3 जून, 2025 तक करना होगा।

ऑन लाइन रजिस्ट्रेशन के लिए खिलाड़ियों कोकम्प्यूटरीकृत जन्म प्रमाण पत्र (अनिवार्य), बोनाफाइड प्रमाण पत्र (अनिवार्य), पिछले 3 वर्षों की स्कूल मार्कशीट (अनिवार्य), आधार कार्ड/वोटर आईडी/पासपोर्ट/ड्राइविंग लाइसेंस/पैन कार्ड दस्तावेज उपलब्ध करवाना आवश्यक है। एक जिले से दूसरे जिले में अतिथि खिलाड़ी के रूप में जाने वाले खिलाड़ियों के लिए एनओसी प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 3 जून, 2025 निर्धारित की गयी है। एनओसी प्राप्त करने हेतु इच्छुक खिलाड़ी को सर्वप्रथम अपने गृह जिले से रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है। एनओसी की पूरी प्रक्रिया पूर्व की भांति ऑनलाईन रहेगी। इस हेतु दिये गये लिंक पर जाकर एनओसी की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। प्रतियोगिता लाल गेंद और सफेद कपड़ों से खेली जावेगी। टीम आयोजन स्थल पर पहले मैच से एक दिन पूर्व दोपहर में 12 बजे तक पहुंचना होगा एवं आरसीए ऑब्जर्वर/मैच रेफरी के लिए आपकी टीम के खिलाड़ियों की सूची पात्रता दस्तावेज के साथ जांच हेतु प्रस्तुत करने को कहा है। प्रत्येक जिला संघ यह सुनिश्चित करेगा कि टीम में 16 खिलाड़ी एवं 1 मैनेजर अथवा कोच ही टीम के साथ जायेगें। टीम मेम्बर इससे अधिक होने पर होटल आदि का खर्चा सम्बन्धित जिल संघ स्वयं वहन करेगा।

जिलों को एलिट ग्रुप एवं प्लेट ग्रुप में बांटा गया है।

एलीट ग्रुप-ए उदयपुर, जयपुर, अलवर, श्रीगंगानगर, स्थान : जयपुर

एलीट ग्रुप-बी सीकर, झालावाड़, बाड़मेर, कोटा। स्थान: जयपुर

प्लेट ग्रुप-ए अजमेर, दौसा, जालौर, हनुमानगढ़। स्थान: जोधपुर

प्लेट ग्रुप-बी जोधपुर, बारां, प्रतापगढ़, नागौर। स्थान: जयपुर

प्लेट ग्रुप-सी धौलपुर, डूंगरपुर, पाली, बीकानेर, जैसलमेर। स्थान: जयपुर

प्लेट ग्रुप-डी झुंझुनू, सवाई माधोपुर, सिरोही, राजसमंद। स्थान: जयपुर

प्लेट ग्रुप-ई टोंक, बूंदी, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा। स्थान: उदयपुर

प्लेट ग्रुप-एफ, भीलवाड़ा, भरतपुर, चूरू, करौली। स्थान: झुंझुनू

सबजूनियर नेशनल में भाग लेने वाली राजस्थान (बालक/बालिका) वुशू टीम तमिलनाडु के लिए रवाना

जयपुर, 25 मई। भारतीय वुशू संघ के तत्वावधान में दिनांक 26 से 31 मई 2025 तक नामक्कल, तमिलनाडु में आयोजित होने वाली 25वी सबजूनियर राष्ट्रीय (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान वुशू टीम तमिलनाडु के लिये रवाना हुई। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान वुशू टीम की घोषणा की। अध्यक्ष के अनुसार प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाडियों व ऑफिसियल के नाम इस प्रकार है :-

बालक टीम - मयंक, कुशाल, महत्व गौतम, प्रियांशु, विकी, रूद्राक्ष, प्रियांशु गहलोत, शोर्य वर्मा, नवीन, राजवीर जजोटर, वीरभद्र सिंह, नरेन्द्र सिंह, वीरेन, दिव्यांशु, हर्षित थालोर, लखन पारीक, धनराज शर्मा, यशराज शर्मा, हिमांक पाठक, सम्राट शर्मा, हरिधान बैनाडा, धनंजय सोनी, आञ्जनेय, युवराज शर्मा, हर्षवर्धन गुर्जर, भूपेश पाल, पार्थ सैन, वंशराज सिंह, सक्षम सरकार, विनायक।

कोच:-शंकर सिंह नरुका, मैनेजर:-मो. इकराम।

बालिका टीम - काव्या गुप्ता, अवनी सिसोदिया, आराध्या, चंचल, प्रसिद्धी शर्मा, आराध्या विश्वकर्मा, वैष्णवी सिंह, अंशिका, नव्या शर्मा, निरीक्षा कँवर, रिंकेश, अलमास खान, नोजल, भूमि, इरम, चित्रांशी चौहान, प्राशी महावार, किंजल महावार, जसमीत कौर, नुरैन कौसर, मन्नत सैनी, देविका सैनी, सादिका वासिम, निरीक्षा सिंह, नविता, दिव्यांशी, प्रेक्षा, आराध्या सोलंकी, रिधिमा भाटी, गार्गी शर्मा, तेजस्विनी।

कोच:- रोशनी गुप्ता, मैनेजर:-अनीता सोलंकी।

चार राज्यों में विधानसभा उपचुनाव 19 जून को

चुनाव आयोग ने गुजरात, केरल, पंजाब व पश्चिम बंगाल की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की

- गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष ने घोषणा की है कि कांग्रेस गुजरात की दो सीटों पर आप पार्टी की साझेदारी के बिना चुनाव लड़ेगी। पंजाब की एक सीट पर भी कांग्रेस व आप पार्टी ने अलग उम्मीदवार घोषित किए हैं।
- पाँचों सीटों पर मतगणना 23 जून को की जायेगी।

नई दिल्ली, 25 मई। देश के चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा हो गई है। चुनाव आयोग ने नोटिफिकेशन जारी कर इसकी जानकारी दी है। भारत निर्वाचन आयोग ने गुजरात, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल की 5 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तारीख का भी ऐलान कर दिया है। इन सभी पांच सीटों पर 19 जून को मतदान होगा और मतों की गणना 23 जून को की जाएगी।

ज्ञातव्य है कि गुजरात की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। यहां की कडी सीट पर विधायक करसनभाई पंजाबभाई सोलंकी की मृत्यु के बाद उपचुनाव कराया जा रहा है। इसके अलावा राज्य की विसावदर सीट पर भी भयानी भूपेंद्रभाई गंडूभाई के इस्तीफे के कारण उपचुनाव कराया जा रहा है। अन्य राज्यों में केरल की नीलांबुर सीट पर पी वी अनवर के इस्तीफे के बाद उपचुनाव कराया जा रहा है। पंजाब की लुधियाना पश्चिमसीट पर मौजूदा सदस्य गुरप्रीत बस्सी गोगी की मृत्यु के कारण उपचुनाव होना है। पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट पर मौजूदा विधानसभा सदस्य नसीरुद्दीन अहमद की मृत्यु के कारण उपचुनाव जरूरी हो गया है।

रोचक है कि उपचुनाव की घोषणा से पहले ही गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल ने घोषणा कर दी थी कि पार्टी अपने इंडिया ब्लॉक सहयोगी, आम आदमी पार्टी (आप) के साथ साझेदारी किए बिना विसावदर और कडी विधानसभा सीटों पर स्वतंत्र रूप से उपचुनाव लड़ेगी। गोहिल ने स्पष्ट किया कि राज्य में पिछले चुनावी रुझानों का विश्लेषण करने के बाद सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया था। उन्होंने कहा, "गुजरातियों ने कभी तीसरे मोर्चे के लिए वोट नहीं किया है। यहां या तो कांग्रेस है या भाजपा।"

कांग्रेस पार्टी ने पंजाब की लुधियाना पश्चिमसीट पर उपचुनाव के लिए भारत भूषण आशु को उम्मीदवार घोषित किया था। उपचुनाव लड़ने के लिए उनकी उम्मीदवारी को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंजूरी दी थी। एआईसीसी की प्रेस विज्ञप्त में कहा गया है, "कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 64-लुधियाना पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से पंजाब विधानसभा के आगामी उपचुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवार के रूप में भारत भूषण आशु की उम्मीदवारी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।" छब्बीस फरवरी को आम आदमी पार्टी ने इस सीट पर उपचुनाव के लिए राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को अपना उम्मीदवार बनाया था।

इज़रायल भारत से रॉकेट लॉन्चर खरीदेगा

नई दिल्ली, 25 मई। महत्वपूर्ण रक्षा प्रणालियों के अग्रणी भारतीय निर्माता, एनआईबीई लि. को इज़रायल की विश्व प्रसिद्ध अग्रणी प्रौद्योगिकी-आधारित कंपनी से करीब 150 करोड़ रुपये का निर्यात ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर में 300 किलोमीटर तक की रेंज क्षमता वाले युनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर का निर्माण और आपूर्ति शामिल है। यह वैश्विक बाजार के लिए पहली बार भारत में निर्मित एक अत्यधिक उन्नत तकनीक है।

एनआईबीई लिमिटेड के प्रवक्ता ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक गौरवपूर्ण मील का पत्थर है। इस अनुबंध के साथ, हम प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' और मेक इन इंडिया के दृष्टिकोण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, जो भारतीय धरती पर विश्व स्तरीय रक्षा तकनीक ला रहा है। यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर अपनी श्रेणी में सबसे उन्नत हैं और इसे वर्तमान में उपलब्ध वैश्विक विकल्पों से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह ऑर्डर न सिर्फ एनआईबीई लिमिटेड के अंतरराष्ट्रीय विस्तार में एक बड़ा कदम है।

भारत हर खतरे से रक्षा करने के लिए सक्षम होना चाहिए : भागवत

आरएसएस की शताब्दी पर संघ प्रमुख ने कहा कि सच्ची ताकत भीतर से आती है

- भारत की सीमाओं पर लगातार हो रहे आक्रमण पर भागवत ने कहा, मौजूदा विश्व परिदृश्य में ताकत का निर्माण विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता है।

नागपुर, 25 मई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भरता की अनिवार्यता पर जोर दिया और कहा कि भारत को किसी भी खतरे से स्वतंत्र रूप से अपनी रक्षा करने में सक्षम होना चाहिए , भले ही देश के खिलाफ कई शक्तियां एकजुट हों।

आरएसएस की शताब्दी के अवसर पर ऑर्गनाइज़र के साथ विस्तृत साक्षात्कार में भागवत ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमें दूसरों पर निर्भर नहीं होना चाहिए। हमें अपनी रक्षा करने में सक्षम होना चाहिए। कोई भी हमें जीतने में सक्षम नहीं होना चाहिए , भले ही कई शक्तियां एक साथ आ जाएं। उन्होंने जोर दिया कि सच्ची ताकत भीतर से आती है और इसे गलत दिशा में हिंसा से बचने के लिए सद्गुणों के साथ संतुलित किया जाना चाहिए।

भागवत ने मौजूदा चुनौतियों के संदर्भ में भारत की सीमाओं पर लगातार हो रहे आक्रमण की ओर इशारा किया और कहा कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में ताकत का निर्माण एक विकल्प नहीं बल्कि एक आवश्यकता है।

हाल ही में आयोजित अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में विचार-विमर्श का हवाला देते हुए भागवत ने कहा कि संघ ने इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार किया है। उन्होंने कहा, हिंदुओं की चिंता तभी होगी जब हिंदू काफी मजबूत होंगे। उन्होंने कहा, इस बार बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ जिस तरह से आक्रोश व्यक्त किया गया है, वह अभूतपूर्व है। यहां तक कि स्थानीय हिंदू भी अब कहते हैं-'हम भागेंगे नहीं। हम यहीं रहेंगे और अपने अधिकारों के लिए लड़ेंगे।'अब हिंदू समाज की आंतरिक शक्ति बढ़ रही है।

उन्होंने कहा, दुनिया में जहां भी हिंदू हैं, हम अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करते हुए उनके लिए हर संभव प्रयास करेंगे। संघ इसी के लिए है।

'जिस भ्रष्टाचार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि किरु हाइड्रो प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार की जानकारी उन्होंने स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी थी, जिसके बाद उन्होंने टेंडर रद्द कर दिया था। मलिक का कहना है कि उनके तबादले के बाद यह टेंडर दोबारा हुआ, लेकिन अब उसी मामले में उन्हें आरोपी बनाया जा रहा है। उन्होंने सरकार और सीबीआई से सवाल किया कि उनके द्वारा उजागर किए गए भ्रष्टाचार की जांच कहां तक पहुंची।

ज्योति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि ज्योति, ज़ीशान के साथ मिलकर अहम जानकारियां पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और उनके ऑपरेटिव्स को दे रही थी।

गौरतलब है कि ज्योति मल्होत्रा एक फेमस ट्रैवल यूट्यूबर है और उस पर आरोप हैं कि उसने पाकिस्तान के लिए जासूसी की।

बीते कुछ दिनों से उसके बारे में पूरे देश में चर्चा हो रही है।

हिमाचल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रमुख सड़कें अवरुद्ध हो गई थीं, जिन्हें देर रात तक बहाल कर दिया गया।

इसी दौरान, रामपुर के कई ऊपरी क्षेत्रों में ओलावृष्टि भी हुई, जिससे सेब की फसल को खासा नुकसान पहुंचा है। स्थानीय बागवानों का कहना है कि मई के अंत में इस तरह की मौसमीय मार से उनकी साल भर की मेहनत पर पानी फिर गया है।

'बिजली गुल होने पर बोनस अंक क्यों नहीं'

- याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट में कहा कि खराब मौसम की चेतावनी के बाद भी परीक्षा केन्द्रों पर प्रकाश और बिजली की समुचित व्यवस्था नहीं की गई।

जयपुर, 25 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीट यूजी परीक्षा के दौरान सीकर के परीक्षा केन्द्र में बिजली गुल होने पर भी अभ्यर्थियों को बोनस अंकों का लाभ नहीं देने पर एनटीए, एसीएस चिकित्सा, सीकर कलेक्टर और परीक्षा समन्वयक से जवाब तलब किया है। अदालत ने परीक्षा परिणाम को याचिका के निर्णयाधीन रखा है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश अनुष्का चौधरी व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता प्रदीप कलवानिया ने अदालत को बताया कि गत चार मई को नीट यूजी परीक्षा के दौरान सीकर के एक परीक्षा केन्द्र की बिजली गुल हो गई थी। जिसके चलते परीक्षार्थियों को निर्धारित समय तक परीक्षा देने का अवसर नहीं मिला और उनके कई प्रश्न छूट गए। जिससे कई छात्रों का भविष्य प्रभावित होने की आशंका है। याचिका में कहा गया कि मौसम विभाग ने परीक्षा के दिन मौसम खराब होने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद भी एजेंसियों ने परीक्षा केन्द्रों पर प्रकाश और बिजली की समुचित व्यवस्था नहीं की। ऐसे में याचिकाकर्ताओं की परीक्षा पुन: ली जाए या उन्हें बोनस अंक दिए जाए। मामले की सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए परीक्षा परिणाम को याचिका के निर्णयाधीन रखा है।

गैस लीक लोने से मरीजों में भगदड़ मची

- शाहजहाँपुर मैडिकल कॉलेज में फॉर्मलीन कैमिकल लीक होने से मरीजों को साँस लेने में दिक्कत हुई।

शाहजहांपुर, 25 मई। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में रविवार को फॉर्मलीन कैमिकल से बनी गैस लीक होने से भर्ती मरीजों को सांस लेने दिक्कत और आंखों में जलन होने लगी जिससे मरीजों को वार्ड के बाहर निकल गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने विशेष छिड़काव करके गैस के असर को कम कर दिया। जिला अधिकारी ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने रविवार को बताया कि शाहजहांपुर के पंडित राम प्रसाद बिस्मिल राजकीय मेडिकल कॉलेज ऑपरेशन थिएटर से तेज धुआं उठा।

कर्नाटक में 18 भाजपा विधायकों का निलम्बन रद्द

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता व संसदीय कार्य मंत्री की बैठक के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने निर्णय लिया

- विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, जिसके लिये मुझे सख्त कदम उठाने पड़े।

बंगलूरू, 25 मई। कर्नाटक विधानसभा के18 भाजपा विधायकों का निलंबन रद्द कर दिया गया है।कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यूटी खदर ने रविवार को घोषणा की कि 18 भाजपा विधायकों का छह महीने का निलंबन वापस ले लिया गया है। यह निर्णय मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, विपक्ष के नेता आर. अशोक, और विधि व संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल के साथ बैठक के बाद लिया गया।गौरतलब है कि 21 मार्च को विधानसभा की कार्यवाही के दौरान अनुशासनहीनता और अध्यक्ष के प्रति असम्मान दिखाने के आरोप में इन 18 विधायकों को छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था। उस दिन कुछ भाजपा विधायक अध्यक्ष की कुर्सी के पास पहुंच गए थे, मंच पर चढ़ गए थे और कागज फेंके थे। उन्हें सदन से बाहर निकालने के लिए मार्शलों का इस्तेमाल करना पड़ा था। विधानसभा अध्यक्ष खदर ने कहा, "हालांकि निलंबन का प्रस्ताव मैंने रखा था, लेकिन सदन ने इसे एक प्रस्ताव के माध्यम से पारित किया था। आज मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, कानून मंत्री और विपक्ष के नेता ने मुझसे चर्चा की और यह तय किया गया कि निलंबन और इससे जुड़ी शर्तों को वापस लिया जाए और सभी विधायकों को फिर से सदन में काम करने दिया जाए।"

सेना का अपमान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फिर आरएसएस भाजपा की ओछी मानसिकता को उजागर कर दिया। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने हमारी जाँबाज़ सेना का अपमान किया पर मोदी जी ने कोई कार्रवाई नहीं की। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने हमारी वीर कर्नल पर भद्दी टिप्पणी की पर आज तक बर्खास्त नहीं हुए। उन्होंने कहा जब पहलगाम में शहीद नौसेना ऑफ़िसर की पत्नी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा था तब भी मोदी जी चुप थे। मोदी जी, आप कहते हैं कि आपकी रगों में सिंदूर है, अगर ऐसा है तो आपको महिलाओं के सम्मान के लिए अपने इन बदज़ुबानी नेताओं को बर्खास्त करना चाहिए।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908